04 - बिहार चुनाव में फिर शराब की गूंज

05 - भूतपूर्व सवाल और भूतपूर्व जवाब!

A Daily News Magazine

भोपाल

गुरुवार, 28 अगस्त, 2025

06 - गड्ढों का फोरलेन, परेशान हो रहे वाहन चालक

07 - इंदौर में डीसीपी की बड़े होटल में लग्जरी विदाई पार्टी

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 348, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

ट्रंप की 'मागा' राजनीति भारतीय विदेश नीति को नए रास्ते पर धकेल रही है...

शीला भट्ट

दुनिया भारत को देख रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की योजना, भारत से अमेरिका के लिए निर्यात पर 50 प्रतिशत असंभव और कभी न सुनी गई शुल्क दर लागू करने की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारतीय कूटनीति के नए मार्ग पर चलने के लिए मजबूर कर रही है। पिछले सात महीनों से ट्रंप की कूटनीति का उद्देश्य उनके मुख्य निर्वाचन क्षेत्र को खुश करना, अमेरिकी ऋण को कम करना और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) योजना को आगे बढ़ाना रहा है।

भारत-अमेरिका संबंध संकट में हैं और आसानी से सुधरेंगे नहीं। मोदी एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहे हैं, जो ट्रंप के उद्देश्यों के कारण भारत पर लाया गया है। भारत वास्तव में ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय व्यापार योजनाओं और मिजाज का शिकार है। अब जब मोदी को निर्णय लेने पड़ रहे हैं, तो वे वही कर रहे हैं जो उन्हें सबसे अच्छा आता है। वे सार्वजनिक कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग अपने घरेलू समर्थन आधार को मजबूत करने के लिए करेंगे।

मोदी का राष्ट्रवादी वोट बैंक निश्चित रूप से उनके पीछे खड़ा होगा। विडंबना यह है कि बड़ी संख्या में मोदी समर्थक भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के पक्ष में थे। लेकिन ट्रंप के इस बड़े विश्वासघात से उनमें अविश्वास के बीज बोएंगे।

1971-1972 में इंदिरा गांधी के बाद, शायद ही कोई भारतीय नेता ऐसे मोड़ पर आया हो–जहां उसे शैतान और गहरे समुद्र में से एक को चुनना पड़ा हो। मोदी ने अपना फैसला कर लिया है। लंबी चर्चा के बाद मोदी ने ट्रंप के भारत विरोधी रुख के खिलाफ 'खड़े होने' का निर्णय लिया। उनके पार्टी सदस्य पहले से ही कह रहे हैं कि भारत को ट्रंप के आदेशों का पालन न करने की वजह से शिकार बनाया जा रहा है।

मोदी ने खुद अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में अपनी नई कूटनीतिक पहल का संकेत दिया। 'मोदी किसी भी ऐसी नीति के खिलाफ दीवार की तरह खड़े हैं, जो भारतीय किसानों, मछुआरों और पशुपालकों को नुकसान पहुंचाती है,' उन्होंने कहा। इसी का नतीजा था कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आत्मविश्वास के साथ मिले। भारत-रूस संबंधों में एक गुणात्मक बदलाव उभर रहा है।

मोदी की चीन यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत, अमेरिकी शुल्कों के हमले से कमजोर भारतीय अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए क्या करने को तैयार है। प्रधानमंत्री संकट में 'लचीलापन' अपनाते हैं। 'टीम मोदी', जैसा एक सूत्र ने कहा, व्यापार और शुल्क से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाले चार शक्तिशाली मंत्रियों से बनी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को वॉशिंगटन में व्यापार समझौते और शुल्क मुद्दों पर बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है। अन्य सदस्य हैं जयशंकर, कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। वे वास्तविक समय में मिल रहे हैं और विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

शुल्क युद्ध ने मोदी को नई दिल्ली में अमेरिकी समर्थक और चीन विरोधी लॉबी का निशाना बना दिया है। कई भारतीय विश्लेषक, जो मोदी सरकार की राजनीति के आलोचक रहे हैं, चीन के साथ संवाद को रातोंरात रीसेट करने को पचा नहीं पा रहे हैं। क्योंकि आरोप है कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद की थी। वे जोर देकर कहते हैं कि 'मोदी की कूटनीति अधिक जिम्मेदार' है मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों की गड़बड़ी के लिए। उनका मानना है कि चीन के खिलाफ भारत का रुख नरम करना बिना कीमत चुकाए नहीं होगा।

हालांकि, पाकिस्तान को खेल में मोहरे की तरह इस्तेमाल करना और नई दिल्ली के रूसी तेल आयात पर ट्रंप का रुख भारत की पूरी राजनीतिक व्यवस्था के लिए 'बहुत उलझनभरा' है। मोदी के आलोचक मानते हैं कि भारत विवेक से ज्यादा मजबूरी में फैसले ले रहा है। इस तरह की दलीलें अर्थहीन हो गई हैं, क्योंकि संकट गहराता जा रहा है, जो रोजगार बाजार और जीडीपी को भी प्रभावित करेगा। मोदी के वार्षिक संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना नहीं है। मोदी के आलोचक आरोप लगाते हैं कि मोदी और जयशंकर की जोड़ी ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की योजनाओं को आंकने में विफल रही। हालांकि, मोदी-जयशंकर की जोड़ी दोनों तरह की आलोचनाओं को नज़रअंदाज़ कर रही है, क्योंकि मोदी के पास समय नहीं है। वैश्विक बाजार में अधिक उपयुक्त विकल्प मौजूद नहीं हैं। इस समय चीन और रूस भारत की जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

मोदी जल्दी में हैं यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारतीय जीडीपी तेजी से नीचे न गिरे। कई विशेषज्ञों ने आधा प्रतिशत जीडीपी गिरने की आशंका जताई है। भारतीय सरकार के एक सूत्र ने कहा, 'भारत के चीन के साथ इतने निकट संबंध होंगे कि ट्रंप द्वारा पैदा किए गए भारी संकट को संभाल सके, और अलग से, भारत अपने दीर्घकालिक मुद्दों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतेगा।'

गौरतलब है कि महीने के अंत में मोदी की चीन यात्रा, एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए, उनकी जापान यात्रा के साथ जुड़ी हुई है। उनकी योजना है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से टूटे भरोसे को पीछे छोड़कर वास्तविकताओं को तेजी से स्वीकार कर नई योजनाएं बनाई जाएं। निजी तौर पर, रायसीना हिल पर भी यह माना जा रहा है कि भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल और उनके 'मागा' एजेंडा को समझने में गलती की, जैसे कई और विश्व की राजधानियों में हुआ है। अमेरिकी विदेश विभाग लगभग शक्तिहीन है और स्टीव विटकॉफ जैसे रियल एस्टेट डेवलपर्स का अत्यधिक प्रभाव है। ट्रंप की व्यावसायिक प्रवृत्तियों ने अमेरिकी विदेश विभाग की परखी हुई नीतियों को ढंक दिया है।

भारत का चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्राज़ील के साथ बहुपक्षीय संबंधों में नया रुख ट्रंप की वजह से है, जिन्होंने मोदी को दो निराशाजनक विकल्प दिए। पहला, क्या कोई भारतीय प्रधानमंत्री सार्वजनिक रूप से मान सकता है कि एक अमेरिकी राष्ट्रपति ने उसे पाकिस्तान को लेकर रणनीतिक फैसला लेने के लिए मजबूर किया, वह भी तब, जब ट्रंप सच को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं?

भारत-पाकिस्तान रिश्तों को लेकर ट्रंप की चौंकाने वाली असंवेदनशीलता ही असली समस्या है। उन्होंने मोदी को सार्वजनिक रूप से ऐसा विकल्प दिया जिसे कोई भी प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं कर सकता।

दूसरा, फरवरी 2025 में वॉशिंगटन दौरे के दौरान ट्रंप ने भारतीय कृषि और डेयरी बाज़ार में प्रवेश मांगा। भारत में कृषि का मुद्दा रक्षा जितना ही संवेदनशील है। भारतीय सूत्रों का कहना है कि कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोलने का मुद्दा द्विपक्षीय रिश्तों में बड़ी रुकावट बन गया। कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री इसे मान ही नहीं सकता।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आरएसएस जितना विरोध किसी संगठन का नहीं हुआ

- **भागवत बोले-फिर भी स्वयंसेवकों के मन में समाज के लिए प्रेम, इससे विरोध की धार कम हुई**

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा- जितना विरोध राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का हुआ है, उतना किसी भी संगठन का नहीं हुआ। इसके बावजूद स्वयंसेवकों के मन में समाज के प्रति शुद्ध सात्विक प्रेम ही है। इसी प्रेम के कारण अब हमारे विरोध की धार कम हो गई है। भागवत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित संवाद कार्यक्रम को दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। भागवत ने स्वयंसेवकों से कहा- नेक लोगों से दोस्ती करें, उन लोगों को नजरअंदाज करें जो नेक काम नहीं करते। अच्छे कामों की सराहना करें, भले ही वे विरोधियों द्वारा किए गए हों। गलत काम करने वालों के प्रति क्रूरता नहीं, बल्कि करुणा दिखाएं। संघ में कोई प्रोत्साहन नहीं, बल्कि कई हतोत्साहन हैं। स्वयंसेवकों के लिए कोई इंसेंटिव नहीं मिलता।

- **संघ के बारे में चर्चा परसेप्शन नहीं, फैक्ट के आधार पर होनी चाहिए-** संघ के बारे में चर्चा परसेप्शन नहीं, फैक्ट के आधार पर होनी चाहिए। संघ के निर्माता केशव बलिराम हेडगेवार जन्म से ही देशभक्त थे। बचपन से ही उनके मन में यह विचार था कि देश के लिए जीना और मरना चाहिए। युवावस्था में अनाथ हो जाने के कारण उन्हें गरीबी का सामना करना पड़ा, फिर भी उन्होंने राष्ट्र के कार्यों में भाग लेना कभी नहीं छोड़ा। एक छात्र के रूप में वे अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पित थे, हमेशा अपने स्कूल में प्रथम दस में स्थान पाने का लक्ष्य रखते थे, जिसे उन्होंने कभी नजरअंदाज नहीं किया।

- **हमारा धर्म सभी के साथ समन्वय का है,टकराव का नहीं-** मंगलवार को कार्यक्रम के पहले दिन सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा था कि हिंदू वही है, जो अलग-अलग मान्यताओं वाले लोगों की श्रद्धा का सम्मान करे। हमारा धर्म सभी के साथ समन्वय का है, टकराव का नहीं। उन्होंने कहा था कि पिछले 40 हजार वर्षों से अखंड भारत में रह रहे लोगों का डीएनए एक है। अखंड भारत की भूमि पर रहने वाले और हमारी संस्कृति, दोनों ही सद्भाव से रहने के पक्षधर हैं। भारत के विश्व गुरु बनने की बात पर कहा कि भारत को दुनिया में योगदान देना है और अब यह समय आ गया है। मंगलवार को कार्यक्रम में ज्योतिरादित्य सिंधिया व अनुप्रिया पटेल उपस्थित थे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की दावेदारी करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अहमदाबाद में करने के लिए दावा पेश करेगा। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने बिडिंग प्रपोजल को मंजूरी दे दी है। इससे पहले 14 अगस्त को भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन ने इसे मंजूरी दी थी। अब भारत को 31 अगस्त तक फाइनल बिडिंग प्रपोजल देना होगा। नवंबर के आखिर में यह फैसला होगा कि मेजबानी मिलेगी या नहीं। कनाडा के रेस से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले महीने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के डायरेक्टर डैरेन हॉल की लीडरशिप में एक टीम ने अहमदाबाद में मौजूद आयोजन स्थलों का दौरा किया था। साथ ही गुजरात सरकार के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की थी।

- **मोदी कैबिनेट की मंजूरी,31 अगस्त की है डेडलाइन**
- **मेजबानी मिलेगी या नहीं फैसला नवंबर महीने में**

सुप्रभात

खुद ख़बर जिसको न अपने हाल की
कब तलक ढोओगे उसकी पालकी।
आ गए संगीत- संध्या में तो वो भी
कुछ समझ जिनको नहीं सुर-ताल की।
बात के कुछ अर्थ से जिनको न लेना
खाल वो केवल निकालें बाल की।
अब रहा बेटा नहीं पहले सरीखा
लग गयी जबसे हवा ससुराल की।
देखिए अब क्या किसानी का बनेगा
कम ज़रा बारिश रही इस साल की।

– दिनेश मालवीय' अश्क'

देश की आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है उज्जैन और ऊर्जा के श्रोत हैं बाबा महाकाल : मुख्यमंत्री

उज्जैन की आध्यात्मिक धरोहर पूरे विश्व को दे रही है दिशा: केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री शेखावत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन देश की आत्मा है। देश की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रमुख केंद्र है और इस ऊर्जा का मूल आधार स्वयं बाबा महाकाल हैं। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल सम्पूर्ण चराचर जगत को गतिमान रखने वाली नैसर्गिक ऊर्जा के केंद्र हैं। उनके आशीर्वाद से ही यह शहर आज देश की धार्मिक आस्था और परम्पराओं के संवाहक के रूप में प्रसिद्धि पाकर 'द बेस्ट रिलीजिएस एंड स्पिरिचुअल डेस्टिनेशन' बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन का यह गौरवशाली स्वरूप ऐसे ही नहीं बना। इसके पीछे एक लंबी कहानी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्री महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद से उज्जैन शहर की पहचान, आकर्षण और आस्था विश्वव्यापी हो गए हैं। अब यहां देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उज्जैन में द्वितीय वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन कॉन्क्लेव का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान फेथ एंड फ्लो पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन के होटल अंजुश्री में दूसरे ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉन्क्लेव M-Mantic के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दीप प्रज्ज्वलन कर इस कॉन्क्लेव का विधिवत् शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने उज्जैन में कॉन्क्लेव के दौरान फेथ एंड फ्लो पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन काल गणना की नगरी है। आज भारत का समय है और पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है।

उज्जैन की आध्यात्मिक धरोहर वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक पर्यटन को दे रही है नई दिशा

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उज्जैन की आध्यात्मिक धरोहर न केवल भारत की सांस्कृतिक धारा को समृद्ध कर रही है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी आध्यात्मिक पर्यटन को नई दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन नीति में हमने देश की सांस्कृतिक ताकत बढ़ाने वाले धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन केन्द्रों के विकास के लिए बड़े प्रावधान किए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन भारत की संस्कृति और पर्यटन को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में अनेक संस्कृतियों का जन्म हुआ, लेकिन भारतीय संस्कृति आज भी जीवंत है। हमारी संस्कृति ने 2000 साल तक आक्रमण झेला, 200 साल की गुलामी तक झेली, लेकिन आज भी भारतीय संस्कृति समृद्ध है। आज से ढाई हजार साल पहले दुनिया में जब मानव अपना वजूद खोज रहा था, तब भारत में तीर्थाटन की परंपरा थी। उन्होंने बताया कि तीर्थाटन हमारे संस्कारों में हैं। उनकी दादी बैलगाड़ी से तीर्थाटन करने जाया करती थीं। केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने केरल से पर्सिया तक 24 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारतीय संस्कृति से दुनिया का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि देश में ब्रिटिश काल में लेखकों ने भारतीय विविधता की अपने तरीके से व्याख्या की, परन्तु आज भी भारत एक और अखंड भारत है। इसका उदाहरण प्रयागराज महाकुंभ है, जहां हर मत, पंथ, संप्रदाय के लोग एक मंच पर आए और विश्व शांति का संदेश दिया। सैकड़ों साल पहले जब इंफ्रास्ट्रक्चर इतना डेवलप नहीं था, तब भी लोग केदारनाथ और बद्रीनाथ तीर्थाटन के लिए जाते थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। उज्जैन में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। पहले जितने लोग साल भर में आते थे, उतने अब एक से डेढ़ हफ्ते में आ जाते हैं।

देश के लिए किसी भी हद तक जाएंगे : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

- **महू के रण संवाद में कहा- चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन हमारा संकल्प उससे भी बड़ा**

महू (नप्र)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए, लेकिन अपनी जमीन की रक्षा के लिए हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब हम आगे की ओर देखते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि भारत के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन हमारा संकल्प और साहस उससे भी बड़ा है। दुनिया हमें सिर्फ हमारी शक्ति के लिए ही नहीं, बल्कि सत्य, शांति और न्याय के प्रति हमारे समर्पण के लिए भी सम्मान देती है।

उन्होंने कहा- देश की रक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिकों द्वारा ही नहीं की जाती, बल्कि नई तकनीक विकसित करने वाले वैज्ञानिकों, हथियार प्रणाली बनाने वाले उद्योगपतियों और अगली पीढ़ी को युद्ध के लिए तैयार करने वाले शिक्षकों द्वारा भी की जाती है।

राजनाथ ने यह बात महू में आयोजित रण संवाद 2025 के दूसरे दिन बुधवार को कही। उन्होंने कहा- हमें अपनी एकता, अपनी स्पष्ट नीयत और पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस देश को आगे ले जाना है। इसी आत्मविश्वास के साथ हम 2047 की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे। भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। रक्षा मंत्री मंगलवार रात करीब 9 बजे महू पहुंचे थे। यहां उन्होंने आर्मी वॉर कॉलेज में विश्राम किया।

रणनीति को मजबूत करेगा रण संवाद- रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा- आज का 'रण संवाद' सिर्फ विचारों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि सुरक्षा, नीति निर्माण और तीनों सेनाओं के विभिन्न पहलुओं को समझने का एक अवसर है। यहां होने वाली चर्चाएं हमें यह सोचने का अवसर देंगी कि हम भारत को कैसे और अधिक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये न केवल रक्षा रणनीति को मजबूत करेंगी, बल्कि एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाने में भी मददगार साबित होंगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 28 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र का सफर अब होगा और सुहाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई से कोंकण की सैर अब और आसान होने वाली है। रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सेवा की शुरुआत 1 सितंबर से हो रही है। ये मुंबई से रत्नागिरी के जयगढ़ को सिर्फ 3-4 घंटे में और सिंधुदुर्ग के विजयदुर्ग को 5-6 घंटे में जोड़ेगी। यह सेवा सड़क के लंबे और थकाऊ सफर को करीब आधा कर देगी। कोंकण रेलवे और मुंबई-गोवा हाईवे के बाद अब समुद्री रास्ता कोंकण के लोगों के लिए नया तोहफा होगा। जहाजरानी मंत्री नितेश राणे ने इस फेरी का निरीक्षण किया और इसे कोंकण की शान बताया है। इस सेवा की शुरुआत पहले गणेश चतुर्थी से होने वाली थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे टालकर 1 सितंबर को शुरू किया जा रहा है। राणे ने बताया कि मौसम अब ठीक हो रहा है।

● मुंबई से जल्द शुरू होगी रो-रो फेरी, तय हो गई तारीख

भारत ने बचाई डेढ़ लाख पाकिस्तानियों की जान

● समय पर दी चेतावनी, सुरक्षित पहुंचाने का मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान को समय पर पूर्व सूचना देकर 1,50,000 पाकिस्तानियों की जान बचा ली है। भारत की इस पहल की वजह से पाकिस्तान को समय रहते अपने नागरिकों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाने का मौका मिल गया, नहीं तो पड़ोसी मुल्क में बाढ़ की वजह से हजारों लोगों की जान जा सकती थी। अधिकारियों के मुताबिक भारत की ओर से बांधों से पानी छोड़े जाने की वजह से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कई गांवों में बहुत ज्यादा बाढ़ का पानी पहुंच गया, जिससे पूरा इलाका जलमग्न हो गया। पाकिस्तान के नेशनल डिजास्टर मैनेमेंट अथॉरिटी ने बड़े पैमाने पर लोगों को बाढ़ वाले से इलाकों से निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाए जाने की पुष्टि की है। इलाके में पिछले दो हफ्तों से लगातार हो रही बारिश से अब तक 800 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

एक साथ दौड़ेंगे पंडित पादरी, मौलवी और ग्रंथी

● सेना में भर्ती की तैयारी, नागपुर में होगी दौड़ प्रतियोगिता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना में अग्निवीर और अन्य नियमित कैडरों की भर्ती के लिए महाराष्ट्र के नागपुर में 3 से 13 सितंबर के बीच भर्ती रैली यानी दौड़ का आयोजन किया जाना है। इस भर्ती रैली में पंडित, पादरी, मौलवी, ग्रंथी और बौद्ध भिक्षु सभी लोग एक साथ दौड़ लगाएंगे। ये दौड़ नागपुर से 20 किलोमीटर दूर कैम्पटी छावनी में ओजित होगी। छावनी अधिकारियों ने कहा कि अगले महीने होने वाली सेना की भर्ती रैली में अग्निवीरों के साथ-साथ धार्मिक शिक्षक यानी पंडित, मौलवी, ग्रंथी, पुजारी और बौद्ध भिक्षु भी शामिल होंगे। मौलवी एक मील की दौड़ सहित शारीरिक परीक्षणों में भाग लेंगे, जिसके बाद दिल्ली में उनकी धार्मिक दक्षता का मूल्यांकन होगा। चयनित उम्मीदवारों को धार्मिक शिक्षक-जूनियर कमीशन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा। यह अग्निवीरों के उलट सेना में स्थायी पद है, जबकि अग्निवीरों का कार्यकाल चार साल का होता है।

इलेक्शन कमीशन जांच करेगा या फिर हलफनामा मांगेगा

● 4300 करोड़ रुपए के चंदे पर राहुल गांधी का नया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में कुछ गुमनाम पार्टियों को कथित तौर पर सैकड़ों करोड़ रुपये का चंदा मिलने से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए बुधवार को निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या आयोग इस मामले में जांच करेगा या फिर उनसे हलफनामा ही मांगेगा। राहुल गांधी ने एक हिंदी अखबार में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया,गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन उन्हें 4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह सवाल भी किया,ये हजारों करोड़ आए कहां से। चला कौन रहा है इन्हें और पैसा गया कहां।

मंदिर में आई मुस्लिम व्लागर, तालाब में पैर धोकर चली गई

● केरल में बवाल, वीडियो वायरल होने के बाद हुआ शुद्धिकरण

त्रिशूर (एजेंसी)। केरल के गुरुवायूर स्थित प्रसिद्ध श्रीकृष्ण मंदिर में मंगलवार को एक शुद्धिकरण अनुष्ठान किया गया। यह अनुष्ठान एक गैर हिंदू व्लागर द्वारा मंदिर के पवित्र तालाब पर हाल ही में बनाए गए वीडियो के बाद किया गया। कहा गया है कि उसने पवित्र तालाब का वीडियो बनाते समय अपने पैर धोये थे। मंदिर सूत्रों के अनुसार, शुद्धिकरण अनुष्ठान के

मद्देनजर मंदिर में दर्शन दोपहर 1.30 बजे तक प्रतिबंधित था। उन्होंने बताया कि शुद्धिकरण अनुष्ठान के तहत शीवेली नामक एक जुलूस निकाला गया और अन्य पूजा भी आयोजित की गई। श्रीकृष्ण मंदिर का प्रबंधन करने वाले गुरुवायूर देवस्वोम ने सोमवार को शुद्धिकरण अनुष्ठान की घोषणा की थी। एक पोस्ट में देवस्वोम ने कहा था कि एक गैर-हिंदू महिला ने पवित्र तालाब में प्रवेश कर वीडियो बनाया था। यह धार्मिक रूप से सही नहीं था।

भारत का इकलौता मंदिर जहां गणेश जी का नहीं है सिर

बिना सर के होती है पूजा, आप कहेंगे गणपति की लीला निराली

देहरादून (एजेंसी)। गणेश चतुर्थी की शुरुआत हो चुकी है, जिसका भक्तों को सालभर इंतजार रहता है, गणेश उत्सव के समय लोग अलग-अलग मंदिरों में बप्पा के दर्शन करने के लिए आते हैं, देश में गणेश जी के कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, जिनके बारे में कुछ ना कुछ दिलचस्प कथाएं सुनने को मिल जाती हैं, आपने कई ऐसे मंदिरों के बारे में सुना होगा, जो अपने आप में रहस्यों को समेटे हैं, लेकिन इस लेख में हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने वाले हैं जहां बिना सिर वाले गणेश जी की पूजा होती है। जी हां आपने सही सुना चलिए बताते हैं उस मंदिर के बारे में। इस मंदिर का नाम मुंडकटिया मंदिर है, जो उत्तराखंड में मौजूद है, ये मंदिर दुनिया के सबसे अनोखे मंदिरों में शामिल है जहां भगवान की मूर्ती बिना सिर वाली है, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मुंडकटिया मंदिर में बिना सिर वाले गणेश जी के दर्शन करने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं, ये मंदिर त्रियुगी नारायण मंदिर से काफी ज्यादा पास पड़ता है। मुंडकटिया मंदिर उत्तराखंड

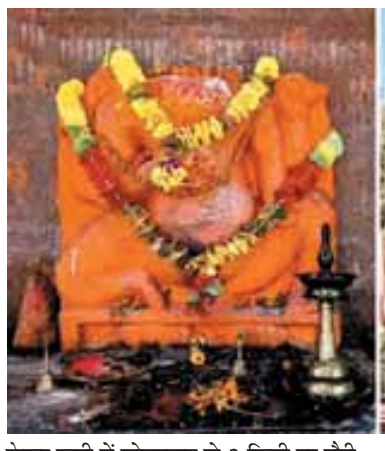

केदार घाटी में सोनप्रयाग से 3 किमी दूर गौरी कुंड के नजदीक है, 'मुंडकटिया' शब्द 'मुंड' (सिर) और 'कटिया' (कटा हुआ) से मिलकर ये मंदिर बना है, जो इस मंदिर को एक प्राचीन कथा से जोड़े हुए है। स्थानीय लोगों का मानना है, ये वही जगह है जहां भगवान शिव ने गणेश जी का सिर काटा था, क्योंकि गणेश जी ने उन्हें देवी पार्वती के निजी कक्ष में जाने से रोक दिया था। साथ ही ये भी कहते हैं इसी जगह पर भगवान शिव ने गणेश को हाथी का सिर लगाया था। एक बार माता पार्वती स्नान करने जा रही थीं। उन्होंने अपने शरीर पर लगे उबटन से बालक बनाया और उसमें जान डाल दी गई। लेकिन किसी कारण से नाराज महादेव ने गणेश जी का सर काट दिया।

मिलने गए थे मंत्री-विधायक गांव वालों ने दूर तक खदेड़ा

● बिहार में पिटते-पिटते बचे नीतिश कुमार के मंत्री व विधायक

नालंदा (एजेंसी)। बिहार के नालंदा में बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पर लोगों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने दोनों को लाठी-डंडे लेकर दौड़ाया। जान बचाने के लिए दोनों नेता एक किलोमीटर भागे और 3 गाड़ियां बदलीं। नालंदा सीएम नीतिश कुमार का गृह जिला है। बिहार में 3 दिन में दूसरे मंत्री पर हमला हुआ है। 25 अगस्त को पटना के अटल पथ पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की गाड़ी पर पथराव हुआ था। 23 अगस्त को पटना के फतुहा में हिलसा के 9 लोगों की सड़क हादसे में मौत हुई थी।

हिंदू भाई, सिर्फ हिंदुओं की दुकान से खरीदें सामान

गिरिराज बोले-मांस खाने से पहले देख लें, झटका है या हलाला

पूर्णिया (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दुकान से खरीदे जाने वाले सामान और मांस को लेकर पूर्णिया में कहा है कि हिंदू भाई, हिन्दुओं की दुकान से ही सामान खरीदें। मांस खाने से पहले ये देख लें कि ये झटका है, या हलाला। बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के मुद्दे पर कहा कि अगली सरकार बनते ही चुन-चुनकर घुसपैठियों को बांग्लादेश भेजेंगे। संबोधन के दौरान राजद सुप्रीमो लालू यादव, तेजस्वी यादव, राहुल गांधी भी गिरिराज सिंह के निशाने पर रहे। राहुल गांधी को नकली गांधी तक कह डाला। मंच से गरजते हुए गिरिराज सिंह ने कहा ये तीनों नेता घुसपैठियों को वोट बैंक बनाना चाहते हैं। इनका मकसद लूटना है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह विधानसभा सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे।

पानी-पानी हुआ जम्मू, 115 साल का रिकॉर्ड टूटा

● पंजाब के गुरदासपुर में 400 स्टूडेंट्स व टीचर्स फंसे, 5 फीट पानी ● जम्मू में 296 मिमी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू में बारिश का 115 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार सुबह 8.30 बजे से बुधवार सुबह 8.30 बजे तक 296 मिमी बारिश हुई। इससे पहले 52 साल पहले 1973 में 9 अगस्त को 272.6 मिमी बारिश हुई थी। पंजाब में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं।

बांधों से पानी छोड़ने के कारण बुधवार को पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर और फाजिल्का में बाढ़ आ गई है। गुरदासपुर के दबुरी स्थित

नवोदय विद्यालय में 400 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स बाढ़ में फंस गए हैं। स्कूल के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फीट पानी भर गया है। बच्चों को फर्स्ट फ्लोर पर रखा गया है। स्टूडेंट्स और टीचर्स को निकालने के लिए एनडीआरएफ और सेना की टीमें भेजी गई हैं। राज्य में भारी बारिश के चलते सभी स्कूलों को 30 अगस्त तक बंद करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं, रावी नदी में बाढ़ के चलते करतारपुर साहिब कॉरिडोर में भी 7 फीट तक पानी भर गया है। इसके कारण पाकिस्तान का श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा भी डूब गया है। करतारपुर कॉरिडोर 4.7 किलोमीटर लंबी एक रोड है जो भारत में डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान में करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से सीधे जोड़ता है। इसका उद्घाटन 9 नवंबर, 2019 को किया गया था। दूसरी तरफ, पंजाब के पठानकोट के बुरे हाल हैं।

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से मौत का आंकड़ा 32 हुआ

कई लापता, चश्मदीद बोले-अचानक सब तबाह हो गया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 32 हो गया। हादसा मंगलवार को दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। कल देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा में दबने से ज्यादा नुकसान हुआ है। एक चश्मदीद ने बताया- बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया। प्रशासन का कहना है कि 23 से ज्यादा लोग जख्मी हैं। कई लापता हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। फिलहाल, इस इलाके में भारी बारिश की वजह से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई है।

बीएमसी चुनाव से पहले महाराष्ट्र सरकार को मिल गई नई टेंशन

● जरांगे ने दी चेतावनी, मनाने पहुंचा फडणवीस के मंत्रियों का दल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने एक बार फिर राज्य सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने तेजी दिखाते हुए मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजकर मनोज जरांगे से बातचीत करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। जरांगे बुधवार की सुबह जैसे ही मुंबई के लिए रवाना हुए। राज्य की फडणवीस सरकार ने शिवनेरी में उनसे मिलने के लिए एक मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजा। दरअसल, मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे 29 अगस्त से मुंबई में अपना आंदोलन शुरू करने पर अड़े हुए हैं। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें कैबिनेट उप-समिति के प्रमुख और राज्य के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल का फोन आया था।

भारत में अब जल्द बनेंगे स्वदेशी फाइटर जेट!

● तेजस और एएमसीए निर्माण को मिलेंगे नए पंख ● एचएएल लेकर आ रहा एक नई योजना, तैयारी पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में स्वदेशी फाइटर जेट के निर्माण की बहुत बड़ी समस्या दूर होने वाली है। इसकी सबसे बड़ी समस्या इसका समय पर उत्पादन नहीं हो पाना रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद खुद प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी इस चुनौती की ओर इशारा किया था। दरअसल, स्वदेशी लड़ाकू विमानों के निर्माण में तेजी लाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने अपनी रणनीति में ऐतिहासिक बदलाव का संकेत दिया है। इसके तहत अब सभी प्रमुख जेट मॉड्यूलों की पूरी असेंबली निजी कंपनियों को आउटसोर्स करने की योजना है। डिफेंस डॉट इन की एक रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अब स्वदेशी लड़ाकू विमान मॉड्यूलों की असेंबली का काम देशी प्राइवेट कंपनियों को सौंपना चाहती है, ताकि भारतीय

वायुसेना को जल्द से जल्द इनकी डिलिवरी मिल सके और राष्ट्र की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सहयोग मिले। एचएएल को लेकर जो खबर आई है, उससे उम्मीद है कि तेजस एमके 1ए और संभवतः

तेजस एमके2 और एएमसीए लड़ाकू विमानों के निर्माण के काम में भी बहुत तेजी आने वाली और इनकी डिलिवरी की दर दोगुनी होने वाली है।

एचएएल की नई सोच के तहत जो निजी कंपनियां पहले से ही फाइटर जेट के प्रमुख हिस्से उपलब्ध करवाती हैं, वे अब विमान के उस हिस्से को पूरी तरह से पहले से ही तैयार करके देंगी और उन्हें एचएएल के मेन असेंबली लाइन पर सिर्फ फाइनल टच देना पड़ेगा। इसका मतलब ये है कि विमान के ये हिस्से अब एचएएल की अंतिम असेंबली लाइन पर पूरी तरह से तैयार होकर पहुंचेंगी।

यानी इनमें वायरिंग होगी, हाइड्रोलिक लाइनें तैयारी मिलेंगी और अन्य कल-पुर्जे और उपकरण भी पहले से ही उसमें फिट हुई रहेंगी। निजी कंपनियां आज भी इन विमानों के फ्यूजलेज यानी मुख्य भाग, विंग्स और टेल जैसे प्रमुख हिस्से उपलब्ध करवाती हैं। इससे एचएएल की असेंबली लाइन पर लगने वाले समय में काफी कमी हो जाएगी और विमानों को तैयार करने के काम में काफी गति आ जाएगी। अभी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को लार्सन एंड टुब्रो विंग्स उपलब्ध करवाती है।

अखिल भारतीय सम्मान से अलंकृत हुई डॉ. शोभा जैन

भोपाल। साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद की ओर से रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में अलंकरण समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ विकास दवे ने बताया वर्ष 2022 और 2023 के लिए घोषित अखिल भारतीय, प्रादेशिक तथा मध्यप्रदेश की छह बोलियों के साहित्यिक पुरस्कारों के लिए चयनित कुल 81 रचनाकारों को अलंकृत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि क्रिकेट कमेंटेटर पद्मश्री सुशील दोषी थे। समारोह में इंदौर से डॉ. शोभा जैन को साहित्य अकादमी के अखिल भारतीय नारद मुनि सम्मान से अलंकृत किया गया। डॉ. शोभा जैन विगत 15 वर्षों से साहित्य,शिक्षा और सामाजिक विषयों पर सक्रिय लेखन कर रही हैं। विगत कुछ वर्षों में निरंतर उनकी कईं पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होती रहीं हैं जिसने समाज के हर वर्ग को जागरूक किया। फेसबुक, ब्लॉग और सोशल मीडिया पेज के लिए दिये जाने वाले इस सम्मान ने सोशल मीडिया की गंभीरता को भी बढ़ाया है। उन्हें वर्ष 2022 के लिए यह पुरस्कार मिला है।

गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों तथा अन्य असंगठित श्रमिकों का पंजीयन अभियान

ई-श्रम पोर्टल पर 5 सितम्बर 2025 तक होगा पंजीयन

भोपाल (नप्र)। गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों तथा अन्य असंगठित श्रमिकों के पंजीयन अभियान के अंतर्गत ई-श्रम पोर्टल पर अपने मोबाइल के माध्यम से अथवा अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर संपर्क कर पंजीयन किया जा सकता है। निःशुल्क पंजीयन के लिए आधार नंबर, आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर तथा आई.एफ. एस.सी. कोड सहित बचत खाता क्रमांक की आवश्यकता होगी। श्रम विभाग द्वारा इस संबंध में व्यापक अभियान प्रारंभ किया गया है। पंजीयन की प्रक्रिया पाँच सितंबर तक होगी। पंजीयन की प्रक्रिया के अंतर्गत पर ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन पर क्लिक कर उपरोक्तानुसार समस्त जानकारी तथा चाही गई अन्य व्यक्तिगत जानकारी भरे जाने पर ई-श्रम कार्ड का प्रिंट प्राप्त होगा, जो आजीवन सम्पूर्ण भारत में मान्य होगा। पंजीयन से संबंधित किसी भी जानकारी अथवा समस्या के निदान के लिए 0731-2432822 पर संपर्क किया जा सकता है।

नाश्ता कर लौट रहे दो दोस्तों को कार ने कुचला

●एक की मौत, दूसरा गंभीर, हुक्का लाउंज में करते थे काम, चालक फरार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बिड़ला मंदिर के करीब कार ने बाइक सवार दो दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे की हालत नाजुक है। जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। दोनों दोस्त बुधवार की सुबह नाश्ता कर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हुए। मामले में अरेरा हिल्स पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक विपिन तिवारी (25) पुत्र राजेश तिवारी भीम नगर में रहता था। मोहल्ले में रहने वाला दोस्त प्रकाश और वह बुधवार की सुबह नाश्ता करने निकले थे। लौटते समय उनकी आर 1-5 बाइक को बिड़ला मंदिर के करीब टर्निंग पर सामने से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

भोपाल में 99 एकड़ जमीन की नप्ती...कब्जा मिला

एसडीएम-तहसीलदार की मौजूदगी में कार्रवाई; 11 पटवारी सीमांकन में जुटे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अनंतपुरा इलाके में 99 एकड़ जमीन की नप्ती आज से शुरू हो गई। कोकता बायपास क्षेत्र से सुबह 11 बजे से सीमांकन शुरू हुआ। 3 तहसीलदार, 3 राजस्व निरीक्षक और 11 पटवारी इस काम में जुटे हैं। एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव और तहसीलदार सौरभ वर्मा की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई की गई। इस दौरान जिस जगह पर कब्जा मिला, वहां लाल गोले भी बनाए गए। प्रारंभिक सीमांकन में कई जगहों पर कब्जा मिला है। ऐसे में लोग भी खौफजदा है। बता दें कि 23 दिन में 7 प्रॉपर्टी जमींदोज करने और करीब 125 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन से कब्जा हटाने के बाद जिला प्रशासन 'मछली' परिवार पर फिर से शिकंजा कस रहा है। पशुपालन विभाग की 99 एकड़ जमीन का सीमांकन शुरू हो गया है। आशंका है कि इस जमीन के काफी हिस्से पर मछली परिवार का कब्जा है। एसडीएम श्रीवास्तव ने बताया, सीमांकन अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। इसके लिए बारी-बारी से टीमें बनाई गई हैं। कोई हंगामा न हो, इसलिए पुलिस बल भी तैनात रहेगा। एसडीएम श्रीवास्तव ने बताया कि पशुपालन विभाग ने एक आवेदन दिया है। जिसमें बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत 65 एकड़ जमीन में रिसर्च सेंटर और एक चारागाह बनाना है। इसलिए उनकी पहले से आवंटित भूमि का सीमांकन किया जाए। इसलिए आज यहां कार्रवाई शुरू की है। एक सप्ताह में पूरी कार्रवाई कर लेंगे। सूत्रों के अनुसार, 99 एकड़ में से काफी हिस्से में मछली परिवार का दखल सामने आया है। एक कॉलोनी का कुछ हिस्सा भी शामिल हैं। इसलिए इसकी पड़ताल की जा रही है। मछली परिवार समेत 20 लोगों को पहले ही नोटिस दिए जा चुके हैं। इन्हें भी सीमांकन के दौरान मौजूद रहने को कहा गया है। हालांकि, मछली परिवार से जुड़े वकील भी यहां पहुंचे और उन्होंने कॉलोनी में मछली परिवार का दखल नहीं होने की बात कहीं। इसे लेकर लिखित में भी दिया।

12 से 13 रकबा में पूरी जमीन: जानकारी के अनुसार, 99 एकड़ जमीन का सीमांकन करने में 7 से 10 दिन का समय लग सकता है। यह जमीन 12 से 13 रकबे में है।

23 दिन में ऐसे हुई कार्रवाई

ड्रग्स तस्करी और दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार शाहवर मछली और उसके भतीजे यासीन के परिवार की अवैध कोठी को 21 अगस्त को गिरा दिया गया था। करीब 15 हजार स्क्वायर फीट एरिये में बनी कोठी, पोर्च, गैराज, पार्क था। इस जमीन की अनुमानित कीमत 25 करोड़ रुपए आंकी गई है। इससे पहले 30 जुलाई को कार्रवाई की गई थी। जिसमें 6 संपत्तियों को जमींदोज कर 100 करोड़ रुपए कीमत की सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराई गई थी। इन दोनों कार्रवाई के बाद जिला प्रशासन मछली परिवार की अन्य संपत्तियों की जांच में जुटा।

इसी बीच पशुपालन विभाग ने कोकता बायपास स्थित 99 एकड़ जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया। अफसरों का दावा है कि इस जमीन पर भी मछली परिवार सहित 20 लोगों ने कब्जा किया है। इसके आधार पर प्रशासन ने रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया और सभी 20 लोगों को नोटिस जारी किए। बता दें कि कोकता बायपास पर मछली परिवार के नाम पर 26 एकड़ जमीन दर्ज है। इसमें 12 एकड़ पर कोर्टयार्ड प्राइम नामक कॉलोनी में 250 प्लॉट काटे गए, जबकि 14 एकड़ देवेंद्र लोधी (लोधी बिल्डर्स) को बेचकर कोर्टयार्ड कस्तूरी कॉलोनी बनाई गई है। दोनों कॉलोनियां टीएंडसीपी से अप्रूव हैं।

ओबीसी आरक्षण, एमपीपीएससी का सुप्रीम कोर्ट में नया आवेदन

चयनित अभ्यर्थियों की याचिका खारिज करने की मांग वाला एफिडेविट वापस लेने की गुहार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है। सरकार ने इस मुद्दे का हल निकालने के लिए 28 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इससे पहले ही इस मामले में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक नया आवेदन दिया है। आवेदन में एमपीपीएससी ने ओबीसी वर्ग के चयनित अभ्यर्थियों की पिटीशन को खारिज करने लगाए गए काउंटर एफिडेविट को सुप्रीम कोर्ट से वापस लेने का अनुरोध किया है।

कैंडिडेट्स की याचिका खारिज करने की थी मांग: सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया कि मप्र ओबीसी आरक्षण के मामले में आज नया इम्प्रूवमेंट हुआ है। 19 अगस्त 2025 को एमपीपीएससी ने काउंटर एफिडेविट फाइल किया गया था। जिसमें यह मांग की गई थी कि चयनित उम्मीदवारों की जिस याचिका में यह मांग की गई है कि मप्र में जब 27व रिजर्वेशन का कानून है तो हमें भी 27 प्रतिशत आरक्षण के कानून के तहत नियुक्तियां दी जाएं। एमपीपीएससी ने अपने काउंटर एफिडेविट में चयनित अभ्यर्थियों की पिटीशन को खारिज करने की मांग की थी।

एमपीपीएससी ने सुप्रीम कोर्ट से माफी भी मांगी

वरुण ठाकुर ने बताया कि अब इस मामले में नया इम्प्रूवमेंट यह हुआ है कि उस काउंटर एफिडेविट को वापस लेने के लिए आवेदन लगाया गया है और अनकंडीशनल अपोलॉजी भी सुप्रीम कोर्ट से मांगी है। एमपीपीएससी ने यह भी कहा है कि ये हमसे गलती से फाइल हो गया था। हम 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मामले में दूसरा काउंटर एफिडेविट फाइल करेंगे।

शादी की जिद के चलते नाबालिग ने फांसी लगाई

कथित प्रेमिका को लेकर घर आया था, मां ने कहा था बालिग हो जाओ शादी करा देंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 17 साल के नाबालिग ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात की है। सुसाइड से पहले किशोर अपनी प्रेमिका को घर लेकर आया था। उसने मां को नाबालिग प्रेमिका से मिलाते हुए शादी कराने की बात कही। मां ने समझाइश दी कि बालिग होने पर ही शादी कराएंगे। किशोरी को समझाकर उसके घर लौटा दिया। इससे नाराज किशोर ने जान दी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एमपी ऑनलाइन शॉप में जॉब करता था

एएसआई सुनील यादव ने बताया कि मुजम्मिल उद्दीन (17) पुत्र आसिफ उद्दीन अशोका गार्डन में रहता था। दसवीं कक्षा तक पढ़ने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। बीते एक साल से एमपी ऑनलाइन शॉप पर कम्प्यूटर ऑपरेटर के तौर पर काम करता था। मंगलवार की रात को देरी से घर लौटा था। मां ने खाने के लिए पूछा तो खाना खाने से इनकार कर दिया। एमपी ऑनलाइन शॉप पर कम्प्यूटर ऑपरेटर का काम करता था मुजम्मिल उद्दीन।

खाने के लिए बुलाने गई मां ने देखा शव

जल्द शादी कराने की जिद की, मां ने समझाइश दी तो अपने कमरे में चला गया। कुछ देर में मां दोबारा खाना खाने का पूछने उसके कमरे में गई तो बेटा फांसी लगा चुका था। उन्होंने पड़ोसियों की मदद से शव को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मुजम्मिल के पिता की पूर्व में मौत हो चुकी है। वे परिवार का इकलौता बेटा था। उससे बड़ी एक बहन है।

दोस्त बोला लड़की के चक्कर में जान दी

दोस्त राज ने बताया कि सुसाइड से पहले मुजम्मिल एक नाबालिग लड़की को घर लेकर आया था। मां से मिलाने के बाद तत्काल शादी की जिद की। मां ने समझाया कि बालिग होने और लड़की के परिजनों से बात करने के बाद ही दोनों की शादी कराएंगे। उन्होंने लड़की को समझाकर उसके घर लौटा दिया। इस बात से दोस्त नाराज था। पहले उसने ऑल आउट पीकर सुसाइड की कोशिश की। मां ने उसे रोका और समझाया। इसके बाद वे दुकान चला गया। वहां से लौटने के बाद उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। इससे पहले उसने मां से खाना न खाने की बात पर विवाद किया था। मां उसे खाना खिलाना चाहती थीं, वे गुस्से में खाना नहीं खाना चाहता था।

भाजपा सरकार में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान चौपट : विभा पटेल

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर श्रीमती विभा पटेल ने भाजपा की मोहन यादव सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में महिला सुरक्षा और उनके अधिकारों की स्थिति भयावह है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के बयान को भाजपा ने तोड़-मरोड़कर पेश किया, जबकि उन्होंने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे और सरकारी रिपोर्ट्स के हवाले से तथ्य रखे थे। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार केवल कागजों पर महिला सुरक्षा का ढिंढोरा पीट रही है, जबकि जमीनी हकीकत खतरनाक है। विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से 20 जून 2025 तक 21,175 महिलाएं एक महीने से अधिक समय तक लापता रहीं। यानी हर दिन औसतन 38 महिलाएं प्रदेश से गायब हो रही हैं। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि गुमशुदगी की रिपोर्टिंग और महिलाओं की ट्रेसिंग प्रणाली पूरी तरह फेल हो चुकी है। इसी अवधि में प्रदेश में 10,840 दुष्कर्म के मामले दर्ज हुए, यानी हर दिन लगभग 20 महिलाएं और नाबालिग बच्चियां बलात्कार का शिकार बनीं।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि विधानसभा में खुद मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि बीते एक साल में महिलाओं पर होने वाले अपराधों में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह न सिर्फ डरावना सच है बल्कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर करारा तमाचा है।

उन्होंने कहा कि यह महज अपराध नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की प्रशासनिक और राजनीतिक विफलता है। जब हर दिन 20 महिलाएं रेप और 38 लापता हो रही हों, तो यह स्थिति सामाजिक चेतावनी है और पूरे प्रदेश के लिए शर्मनाक है।

श्रीमती विभा पटेल ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लाड़ली बहनों को 3000 रुपये प्रतिमाह देने का वादा, आज तक कागजों से बाहर नहीं निकला। 20 अगस्त 2023 के बाद से नए पंजीकरण तक बंद कर दिए गए। इसके अलावा उज्ज्वला योजना की लाभार्थियों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा भी धरे का धरा रह गया।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि महंगाई बेलगाम है, बेरोजगारी चरम पर है, हर घर आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। ऐसे समय में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखना भाजपा सरकार का सबसे बड़ा पाप है।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि भाजपा का बेटी बचाओ का नारा अब महज मजाक बनकर रह गया है। प्रदेश की बेटियां अपराधियों और असुरक्षा की भेंट चढ़ रही हैं और भाजपा सरकार कुंभकर्णी नींद सो रही है।

को-ऑपरेटिव सोसायटी में घोटाला

कावेरी गृह निर्माण सहकारी संस्था के पूर्व अध्यक्ष पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

भोपाल (नप्र)। कावेरी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल के सदस्यों से धोखाधड़ी कर बहुमंजिला भवन में फ्लैट देने का झांसा देने वाले तत्कालीन अध्यक्ष खालिद खान के खिलाफ कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी हेमलता अहिरवार की अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 406, 467, 468 और 471 के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को समन जारी किया है। साथ ही आदेश दिया है कि मामले की अगली सुनवाई में आरोपी को 17 नवंबर को अदालत में पेश होना होगा।

लाखों रुपए लेकर नहीं दिए फ्लैट: अधिवक्ता संतोष वर्मा द्वारा दायर निजी परिवाद के अनुसार परिवादी सैयद सरवर हुसैन संस्था के पंजीकृत सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि संस्था का हलालपुर लालघाटी क्षेत्र में भूखण्ड था। उस पर अध्यक्ष रहते हुए खालिद खान ने मेट्रो हाईट्स नाम से बहुमंजिला इमारत का निर्माण कर सदस्यों को फ्लैट देने का वादा किया था। इसी झांसे में कई सदस्यों से लाखों रुपए वसूले गए। साल 2002 में परिवादी को 2.35 लाख रुपए में फ्लैट क्रमांक 4-सी का आवंटन कर रजिस्ट्री तक कराई गई थी, लेकिन भवन पूरा करने के बजाय आरोपी ने वर्ष 2008 में बिना सहकारी संस्था के उप-पंजीयक की अनुमति के उसी भवन को प्रियंका इंटरप्राइजेज को बेच दिया।

होटल का संचालन

फ्लैट आवंटन के नाम पर ठगी करने के बाद आरोपी ने भवन को नीना पैलेस होटल के रूप में बदल दिया और वहीं से व्यवसाय संचालित कर रहा है।

पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

परिवादी की ओर से आरोपी के खिलाफ थाना कोहेफिजा और पुलिस अधीक्षक को शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर मामला अदालत पहुंचा। अब अदालत ने गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज करने और आरोपी को तलब करने का आदेश दिया है।

एमपी में आदिवासियों के लिए योजनाओं पर रिसर्च शुरू

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 8 जिलों में आदिवासी समाज के विकास के लिए राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं की हकीकत जानने और रिपोर्ट तैयार करने का काम अब एक टीम करेगी। इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग ने टीआरआईएफए (ट्रांसफर रुलर इंडिया फाउंडेशन) के साथ समझौता (एमओ) किया है। इस समझौते के तहत धार, अलीराजपुर, मंडला, देवास,

बड़वानी, राजगढ़, सीहोर और झाबुआ जिलों में टीआरआईएफ के चुने हुए युवा फेलो के रूप में काम करेंगे। ये फेलो छात्रावासों की स्थिति, वन अधिकार कानून के पट्टों का वितरण, छात्रवृत्ति और दूसरी योजनाओं पर रिसर्च कर सरकार को रिपोर्ट देंगे।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ गंभीर मामला है, व्यवस्था में सुधार के लिए सरकार को तत्काल ठोस कदम उठाना चाहिए : मुकेश नायक

मप्र की शिक्षा व्यवस्था को माफिया संचालित कर रहे हैं सरकार भी मौन : विवेक त्रिपाठी

भोपाल। कांग्रेस ने बुधवार को संयुक्त पत्रकारवार्ता आयोजित कर प्रदेश की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पत्रकारवार्ता को कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक, कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार एवं एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने संबोधित किया। कांग्रेस मीडिया विभाग अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा में हो रहे फर्जीवाड़े और शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में फैकल्टी की भारी कमी से हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। भाजपा सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने की बजाय उन्हें संरक्षण दे रही है। यह शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ गंभीर मामला है। यदि सरकार चाहती है कि छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनी रहे तो उसे तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। वर्तमान स्थिति प्रदेश के लिए चिंताजनक है। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को माफिया संचालित कर रहे हैं और सरकार की मौन स्वीकृति से छात्रों को निजी महाविद्यालयों में दुगनी-तिगुनी फीस चुकाने पर मजबूर किया जा रहा है। शासकीय कॉलेजों की उपेक्षा कर भाजपा सरकार कमीशन के लालच में निजीकरण को बढ़ावा दे रही है नर्सिंग कॉलेज घोटाले की दो बार सीबीआई जांच हो चुकी है, लेकिन गड़बड़ियाँ जस की तस बनी हुई हैं। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश के 13 शासकीय नर्सिंग कॉलेज ऐसे हैं जिनमें नियम अनुसार प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर तक नहीं हैं।

कांग्रेस की माँगें

1. नर्सिंग कॉलेजों में संदिग्ध नियुक्तियों और फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए।
2. जिन शासकीय कॉलेजों में फैकल्टी की भारी कमी है, वहाँ तत्काल नियम अनुसार स्टाफ की नियुक्ति की जाए।
3. हाईकोर्ट द्वारा गठित जुलानिया समिति की रिपोर्ट की फॉरेंसिक जांच कर वास्तविक कमियों को सार्वजनिक किया जाए।
4. दोषी प्राचार्य, फैकल्टी और अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्यवाही की जाए।

फिर बोले राहुल गांधी

एमपी का चुनाव चोरी किया गया

बिहार के मुजफ्फरपुर में कहा- हमारे पास सबूत नहीं थे इसलिए बोलते नहीं थे

भोपाल (नप्र)। आप देखिए मध्य प्रदेश का चुनाव चोरी किया। हरियाणा, महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया। हम कुछ बोलते नहीं थे क्योंकि सबूत नहीं था। मगर महाराष्ट्र में सबूत मिल गया। इन्होंने कुछ ज्यादा कर दिया। राहुल गांधी ने यह बात बिहार के मुजफ्फरपुर में वोटर अधिकार यात्रा में कही। राहुल गांधी के बयान का वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए पूर्व सीएम कमलनाथ ने लिखा- हमारे नेता राहुल गांधी ने आज मुजफ्फर, बिहार की सभा में एक बार फिर स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 चोरी किया गया था।कमलनाथ ने आगे लिखा- मैं मध्य प्रदेश के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी के साथ है। वह हमें जिताना चाहती है और उसने ऐसा किया भी। अब हम सबको हर स्तर पर वोट चोरी रोकने के लिए कमर कसने की जरूरत है, ताकि वही सरकार बने जिसे जनता ने वोट दिया हो।

संपादकीय

टैरिफ बम का असर शुरू...

भारत सरकार कुछ भी दावे करे लेकिन हकीकत यही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के दुष्प्रभाव होने शुरू हो गए हैं। इसके जवाब में भारतीय रणनीति क्या है, वह बनी भी है या नहीं या कब बनेगी, कितनी कारगर होगी, इन सवालों के जवाब अभी मिलने हैं। कुछ आशावादी लोगों का मानना है कि बढ़े टैरिफ का भारत पर 'मामूली असर' होगा और हम इसे झेल जाएंगे, लेकिन वाणिज्यिक क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय अर्थ व्यवस्था पर ये असर दूरगामी और उसे पीछे धकेलने वाले सिद्ध हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि दर घटाना शुरू कर दी है। वोंटोबेल में ईएम इक्विटीज के सह-प्रमुख राफेल लुएशर का कहना है कि उच्च टैरिफ भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। इससे अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव में आने वाली भारतीय कंपनियां भी निवेश संबंधी फैसले टाल सकती हैं, जिसका नकारात्मक असर नौकरियों पर पड़ सकता है। गौरतलब है कि तमाम कोशिशों के बाद भी भारतीय उत्पादों पर बुधवार से 50 फीसदी उच्च अमेरिकी टैरिफ लागू हो गया है। इससे 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। ट्रंप टैरिफ की वजह से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजारों में काफी महंगे हो जाएंगे, जिससे घरेलू निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। इस चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार को बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे, अन्यथा न सिर्फ देश की जीडीपी पर असर पड़ेगा, बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने का लक्ष्य भी प्रभावित होगा। कपड़ा, जूते, आभूषण और ऑटो पार्ट्स उद्योगों में अगले 12 महीनों में 10-15 लाख नौकरियां जा सकती हैं। अकेले कपड़ा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा रोजगार प्रभावित होने की आशंका है। सूरत और मुंबई के रत्न-आभूषण उद्योग में भी एक लाख से ज्यादा नौकरियां जाने का खतरा है। भारत 12 अरब डॉलर का रत्न-आभूषण अमेरिका को निर्यात करता है। देश में नोएडा, सूरत और तिरपुर गारमेंट एक्सपोर्ट के बड़े केन्द्र है। ताजा खबर यह है कि अमेरिकी ऑर्डर के अभाव में कई यूनिटें या तो बंद कर दी गई हैं या फिर बंद होने की कगार पर हैं। भारत अमेरिका को 10.3 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करता है। उच्च टैरिफ की वजह से भारतीय परिधान अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश और वियतनाम (इन पर 20 फीसद टैरिफ) के मुकाबले महंगे हो जाएंगे। इससे टेक्सटाइल/परिधान निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाएगा। सवाल यह है कि अमेरिका की बदले की भावना से की गई कार्रवाई पर भारत सरकार क्या करने जा रही है? विशेषज्ञों की राय में कुछ उपाय तुरंत किए जा सकते हैं। जैसे कि अमेरिकी आयात (ऊर्जा, रक्षा और कृषि सामान) बढ़ाने की कोशिश, ताकि व्यापार घाटा कम हो और कूटनीतिक रास्ता खुले, प्रभावित निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन मिले, नए एफटीए के जरिये बाजार का विविधीकरण, अमेरिकी कृषि, व्हिस्की, मेडिकल डिवाइस और ऊर्जा पर जवाबी टैरिफ लगाना। लेकिन यह उपाय इसलिए कारगर नहीं है, क्योंकि अमेरिका का भारत को निर्यात केवल 45 अरब डॉलर का है। वैसे भारत चाहे तो टैरिफ को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चुनौती दे सकता है, लेकिन वहां कुछ होना मुश्किल है। यह तय है कि भारत अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। झुकना चाहिए भी नहीं। लेकिन हमे वैकल्पिक उपायों पर भी गंभीरता से और तुंरत सोचना और उस पर अमल शुरू कर देना चाहिए। केवल बड़ी बड़ी बातों से कुछ नहीं होगा। क्योंकि आर्थिक और रोजगार के संकट राजनीतिक असंतोष में बदल सकते हैं। सरकार को इसे पूरी संवेदनशीलता और विवेक के साथ निपटना होगा।

नजरिया

अजय कुमार

लेखक उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिहार चुनाव में फिर शराब की गूंज

तस्करों के नेटवर्क का विस्तार यूपी के ग्रामीण इलाकों से लेकर बड़े शहरों तक फैला हुआ है। वे अक्सर रेलवे लाइन, हाईवे और नदी तंत्र का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट आसान हो जाता है। हाल के महीनों में कोपागंज पुलिस और एसओजी टीम ने मऊ में 9 लाख की शराब जब्त की। वहीं, प्रतापगढ़-मथुरा के रास्ते हरियाणा से भी अवैध शराब बिहार भेजी जा रही थी, जिसमें लाखों की खेप पकड़ी गई। यूपी और बिहार की सीमाएँ लगभग 1,060 किलोमीटर लंबी हैं, जिसकी निगरानी बड़ी चुनौती है। यही वजह है मद्य निषेध इकाई को चुनावी सीजन में सक्रियता बढ़ानी पड़ गई है। जिसके चलते शराब की तस्करी के मामले तो पकड़े जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी मात्रा में शराब बिहार पहुंच रही है।

बिहार विधान सभा चुनाव की आहट जैसे-जैसे तेज होती जा रही है, वैसे-वैसे यूपी से बिहार के लिये अवैध शराब की तस्करी भी बढ़ने लगी है। इसी के साथ पक्की दारू पक्का वोट की पुरानी कहावत एक बार फिर बिहार में सुनाई देने लगी है। दरअसल, राज्य में लागू शराबबंदी के बावजूद शराब के प्रति लोगों की ललक और नेताओं की सियासी जरूरत दोनों ही शराब तस्करी को बढ़ावा देते हैं। खासकर चुनाव के वक्त, जब वोटों को साधने के लिए दारू एक बड़ा हथियार बन जाती है, तब तस्करी नेटवर्क और ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। इसी लिये उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल जैसी राज्यों से शराब की खेप बिहार पहुंचाई जाती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान यूपी का है। इस बार तो चुनावी मौसम की तैयारी में तस्करी नेटवर्क कुछ और ज्यादा रणनीतिक हो गया है। चंदौली, वाराणसी, बलिया, गाजीपुर, देवरिया, सोनभद्र, कुशीनगर समेत यूपी के सीमावर्ती जिलों से हर रोज शराब की खेप चोरी-छिपे बिहार पहुंच रही है। पुलिस की सख्ती और चेकिंग के बावजूद तस्कर नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में चंदौली पुलिस ने ट्रक की तलाशी में व्हाइट सीमेंट की बोरियों के पीछे छुपाकर रखी 720 पेटियां विदेशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत 1.12 करोड़ रुपए थी। यह खेप पंजाब से तस्करी कर बिहार भेजी जा रही थी और चुनावी तैयारियों के लिहाज से इसे बांटा जाने वाला था।

तस्करों के नेटवर्क का विस्तार यूपी के ग्रामीण इलाकों से लेकर बड़े शहरों तक फैला हुआ है। वे अक्सर रेलवे लाइन, हाईवे और नदी तंत्र का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट आसान हो जाता है। हाल के महीनों में कोपागंज पुलिस और एसओजी टीम ने मऊ में 9 लाख की शराब जब्त की। वहीं, प्रतापगढ़-मथुरा के रास्ते हरियाणा से भी अवैध शराब बिहार भेजी जा रही थी, जिसमें लाखों की खेप पकड़ी गई। यूपी और बिहार की सीमाएँ लगभग 1,060 किलोमीटर लंबी हैं, जिसकी निगरानी बड़ी चुनौती है। यही वजह है मद्य निषेध इकाई को चुनावी सीजन में सक्रियता बढ़ानी पड़ गई है। जिसके चलते शराब की तस्करी के मामले तो पकड़े जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी मात्रा में शराब बिहार पहुंच रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से मई 2025 तक बिहार में शराब तस्करी के 64 मामले सामने आए, जिनमें से 25 प्रतिशत खेप यूपी निर्मित विदेशी शराब की थी। प्रशासन ने यूपी-पंजाब समेत 8 राज्यों से सहयोग मांगा है और सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट बढ़ाने का फैसला किया है। आगामी चुनाव में बिहार के 23 सीमावर्ती जिलों में 390 से ज्यादा चेकपोस्ट बनाने की योजना है और ड्रोन, सीसीटीवी, हैंडहेल्ड स्कैनर से निगरानी कड़ी की जा रही है।

शराब की तस्करी के पीछे सिर्फ मुनाफा ही नहीं, बल्कि बड़े सियासी समीकरण भी काम करते हैं। चुनाव के समय नेताओं और बड़ी पार्टियों के लिए अवैध दारू का नेटवर्क वोटर जुटाने का सबसे आसान जरिया बन जाता है। हर बार की तरह पक्की दारू, पक्का वोट की ताकत इस बार भी बिहार में देखी जा सकती है, जिसमें तस्कर, कारोबारी और नेताओं की सांठगांठ से शराब की बोतलें मतदाताओं तक पहुंचती हैं। इसके बदले वोट का वादा लिया जाता है जो बिहार की सियासत का ध्यानाकर्षण बिंदु बना हुआ है। प्रशासन ने क्यूआर कोड, बैच नंबर जैसी तकनीकों से अवैध शराब की पहचान-पता करना शुरू कर दिया है ताकि तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश हो सके। कुल मिलाकर, बिहार के चुनाव में फिर दारू के साथ वोट का समीकरण चर्चा में है। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद तस्करी के गिरोह तेजी से पैठ बना रहे हैं, जिससे राज्य सरकार को अपनी मद्य निषेध नीति सख्ती से लागू करनी होगी। चुनाव का मौसम जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे शराब तस्करी का दौर और तेज होता जा रहा है और इस बार भी पक्की दारू पक्का वोट का ट्रेंड बिहार सियासत का बड़ा सच बन गया है।

विचार

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

प्रशंसा भाव में सहज है सामाजिकता का प्रसार

प्रशंसा करना आसान नहीं होता न ही कोई किसी की यूं ही प्रशंसा करता है। प्रशंसा करने के पीछे मनुष्य का मनुष्य के साथ लगाव होता है, उसका होना, उसकी बातें और उसका विशेष जब अच्छा लगता है तभी जाकर कोई किसी की प्रशंसा करने के लिए मन से तैयार होता है। जब हम किसी को उसके पूरेपन में देखते हैं, जब उसके पूरे अस्तित्व को स्वीकार करते हैं और फिर जब उसका मूल्यांकन करते हैं तो सहज ही प्रशंसा के शब्द निकल पड़ते हैं। प्रशंसा आयु वृद्धि का कारक भी होती है और आपको अच्छे से कार्य करने की सीख भी देती है। यदि किसी ने प्रशंसा की है तो उसे मुक्त कंठ से स्वीकार भी करें और कुछ ऐसा करें जो कीर्ति को विस्तारित करने का कारण भी बने। बहुत बार ऐसा भी होता है कि कोई प्रशंसा करता है और आप इस तरह से कहना शुरू कर देते हैं कि अरे मैं तो कुछ हूं ही नहीं तो यह हो सकता है कि आप की विनम्रता हो पर इस तरह से आप अपने ही स्वरूप को अपने व्यक्तित्व को खारिज कर रहे होते हैं। प्रशंसा को लेना चाहिए और स्वयं भी किसी की प्रशंसा करनी चाहिए। जब हम किसी की प्रशंसा करते हैं तो साफ है कि किसी न किसी गुण की प्रशंसा करते हैं, प्रशंसा मन को आह्लादित करती है, उर्जा प्रदान करती है और जीवन को सही ढ़ंग से संचालित करने के लिए प्रशंसा का भाव जरूरी हो जाता है। प्रशंसा जब करते हैं तो हमारी सामाजिकता का प्रसार होता है और इस क्रम में हमारा का सामाजिक व्यक्तिव निर्मित होता है। जब हमारे भीतर सामाजिकता होती है तब हम अपने आसपास की दुनिया को न केवल स्वीकार करते हैं, बल्कि एक दूसरे की प्रशंसा भी करते चलते हैं। यह स्वीकार करना ही एक तरह से प्रशंसा होती है। अपने से बहुत दूर किसी अन्य की जब स्वाभाविक रूप से प्रशंसा करते हैं तो हम उस व्यक्ति के गुणों को स्वीकार करने के कारण ही करते हैं।

प्रशंसा का भाव हमारे व्यक्तित्व को बड़ा बनाते हैं जब हम किसी की प्रशंसा करते हैं तो सीधी सी बात है कि उसे हम स्वीकार करते हैं, उसके द्वारा किया गया कार्य अच्छा लगता है तभी तो हम किसी की प्रशंसा कर सकते हैं और यह भी सत्य है कि जब हम किसी की प्रशंसा करते हैं तो उसे एक ऐसी स्वीकृति दे देते हैं कि वह आगे भी अच्छा से अच्छा कार्य करता रहे। प्रशंसा का भाव मूल्य संरचना है। यह एक सद्गुण की श्रेणी में आता है जब आप किसी की प्रशंसा में दो शब्द कहते हैं तो वह उस व्यक्ति को और भी बहुत कुछ करने के लिए प्रेरित करता है। प्रशंसा एक बड़ी मूल्य संरचना हो सकती थी पर जब कोई भी कहीं भी किसी की प्रशंसा करता था तो उसे लोग-बाग ठीक से नहीं लेते अन्यथा ही ले लेते हैं। ऐसा निंदा के साथ नहीं होता, निंदा को निंदा के रूप में ही सब लेते हैं। जब कोई किसी की निंदा करता है तो वह आदमी सतर्क हो जाता है, कुछ भी ग़लत करने से पहले सौं बार सोचता है और उसमें सुधार की गुंजाइश हो जाती है। निंदा करते हुए सब मगन हो जाते हैं और एक तरह की तटस्थता निंदा के भाव में देखी जा सकती है। यह भी सत्य है कि निंदा करने वाले का कोई उद्देश्य नहीं होता वह तो स्वाभाविक रूप से निंदा करता है और निंदा सुनने में जो मगन हो जाते हैं वे एकदम से दार्शनिक अंदाज में होते हैं। बस मगन होकर निंदा को सुनता रहता है। इस दशा में वह अलौकिक रूप से प्रसन्न होता है।

जब भी कोई किसी की निंदा करता है तो तल्लीन होकर करता है, निंदा में इतना मगन हो जाता है कि उसे कुछ दिखाई नहीं देता। निंदा का भाव उसे दार्शनिक कोटि की तटस्थता दे देता है पर यहीं बात जब वह किसी की प्रशंसा करता तो नहीं कहीं जा सकती। अक्सर यह देखने सुनने में आता है कि प्रशंसा में कुछ न कुछ ग्रहण करने का भाव आ जाता है। आदमी जब किसी की प्रशंसा करता है तो यह सहज रूप से मान लिया जाता है कि वह जरूर किसी न किसी लाभ के फेर में होगा, यद्यपि ऐसा न भी हो तो भी किसी की प्रशंसा करने से हर कोई घबराता है परिचित की तो प्रशंसा करने का विषय ही नहीं होता। परिचय और प्रिय की प्रशंसा करने के लिए बड़ा कलेजा चाहिए जो कि होते हुए सामाजिक भय और संकोच के कारण जल्दी कोई इस हेतु अपने आप को प्रस्तुत नहीं करता। यहीं पर यह कहा जाना भी ठीक लगता है कि यदि आप किसी की भी प्रशंसा करते हैं तो एक सामाजिक मूल्य का भाव विकसित करने में मदद करते हैं पर साथ में तुच्छ लाभ का जो पद प्रशंसा से जुड़ा होता है वह किसी भी भले मानुष को जल्दी किसी की प्रशंसा करने नहीं देता। अक्सर लोग प्रशंसा करने वाले से दूर ही भागते हैं। बड़े लोग बड़े पद पर जो लोग आसीन होते हैं वे तो किसी भी प्रशंसा करने वाले आदमी को अपने आसपास फटकने नहीं देते यद्यपि उनकों प्रशंसक की जरूरत ज्यादा होती है और सामान्य सीधे साधे लोगों की कोई प्रशंसा करता ही नहीं। यदि कोई ग़लती से प्रशंसा कर भी दे तो हजार दुश्मन मुफ्त में मिल जाते हैं। पर इन सबके बावजूद सज्जन लोग एक दूसरे की प्रशंसा करते हैं और एक दूसरे के साथ उठते बैठते मिलते प्रसन्न हो जाते हैं। यदि किसी से मिलते जुलते यदि मन में आनंद का भाव आयें तो उस आदमी की तारीफ प्रशंसा जरूर करनी चाहिए। आजकल बड़ा मुश्किल है कि किसी से मिलकर आपको खुशी हों अक्सर लोग एक दूसरे को देखकर चौंकते हैं, परेशान होते हैं, बहुत बार बिना किसी कारण के ही दु:खी भी हो जाते हैं। इस दुनिया में हर आदमी इस बात से परेशान होता है कि वह कैसे प्रसन्न है, कोई आदमी अपनी वजहों से सुखी है, अच्छे से रह रहा है तो यह उसके लिए चाहे जैसा हो पर बहुतों के लिए यहीं बात परेशानी का कारण हो जाती है। कोई किसी और को खुश नहीं देखना चाहता पर स्वयं को जरूर खुश देखना चाहता है। अब आप इस तरह के लोगों से पूछिए कि आप केवल खुद को खुश देखना चाहते हैं तो यह कैसे संभव होगा यह तो तभी हो सकता जब औरों को भी खुश देखने की आदत हमें डालनी चाहिए। यह तभी हो सकता है जब हमें औरों की खुशी में खुशी हो यदि हम ऐसा नहीं कर सकते तो हमारी खुशियां कहां और कितनी देर टिकेगी, इसे भला किस तरह से देखा जाए, समझ नहीं आता।

मैं बिना वैराग्य भाव के 'सत्य' की तलाश में हूं!

व्यंग्य

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मैं भी राजकुमार सिद्धार्थ की भांति 'सत्य' की तलाश में हूं। अंतर सिर्फ इतना है कि उन्होंने संसार और संसार चक्र की वास्तविकता जानने के लिए तलाश प्रारंभ की थी, लेकिन मेरी तलाश कुछ ओर ही दिशा में है। दरअसल मैं जानना चाहता हूं कि देश वास्तव में तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर है या कि पतन के गर्त में जा रहा है? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि आखिर कौन सा राजनीतिक दल या उसके नेता लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए निःस्वार्थ भाव से जनहित के प्रति समर्पित हैं? राजनीतिक चिल्लपों में किसका आचरण और व्यवहार प्रामाणिक है? इसके अतिरिक्त मैं यह भी जानना चाहता हूं कि आखिर हमें किस पर भरोसा करना चाहिए?

सच कहूं, राजनीतिक घटनाक्रम को दिन प्रतिदिन पढ़ते, सुनते और देखते हुए इस कदर कंफ्यूज हो गया हूं कि मैं जीवित भी हूं या नहीं? इस बात पर भी उलझ कर रह जाता हूं। वास्तव में मताधिकार प्राप्त होते ही जब जब मैंने मत का प्रयोग किया, हर बार हजार बार सोचा कि किस दल और प्रत्याशी की रीति-नीति सच्चे अर्थों में व्यापक जनहित के प्रति समर्पित है? हर एक निर्दलीय प्रत्याशी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भी मैंने पर्याप्त गौर किया।

हर दृष्टि से पूर्ण रूप से संतुष्ट होकर ही तमाम गुण दोष के मद्देनजर हर किसी प्रत्याशी का अपने स्तर पर सघन मूल्यांकन किया। तब कहीं जाकर लोकतंत्र के चलते मुल्क के मालिक के रूप में मैने सोच समझ कर मतदान किया।

यह अलग बात है कि आगे जाकर मुझे यही लगता रहा कि मैं घाटे का सौदा तो नहीं कर बैठा! लेकिन फिर भी मन ही मन मन को तसल्ली देता रहा कि चलो कोई बात नहीं, अगली बार जब कभी मताधिकार का उपयोग करने जाएंगे तो और भी अधिक सोच विचार करके मतदान की प्रक्रिया में भागीदारी करेंगे। लेकिन हाल फिलहाल दिल और दिमाग की ताजा स्थिति यह है कि सोचते सोचते पगला सा गया हूं। दरअसल मैं उनमें से नहीं हूं जो मताधिकार का उपयोग कर जुआरी भाव रखते है। सोचते हैं कि लगे तो तीर नहीं तो तुक्का! लेकिन मैं मेरे मत को जाया नहीं होने देना चाहता। जो दल या प्रत्याशी चुनावी सफलता प्राप्त कर चुका, यदि वह गलती कर बैठे, तो 'हाय मैं लुट गया' ऐसा मन में हाहाकार मच जाता है।

अब आप ही सोचिए और बताइए कि क्या मैं गलत हूं? खैर, असल बात यह है कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में इधर वाले उधर वाले के कान खींचते है और उधर वाले इधर वाले के कान खींचते है। तर्क इधर वाले भी देते है और उधर वाले भी देते है। कभी इनकी बात सत्य लगती है तो कभी उनकी। अब ऐसा है कि आजकल सफेद झूठ भी डंके की चोट पर बोला जाने लगा है। ऐसे में सच क्या है? इसकी भनक भी किसी को नहीं लगने दी जाती। बस, इसी बिंदु पर आकर मैं बुरी तरह से उलझ कर रह गया हूं। यही कारण है कि यह जानने की प्रबल भावना बलवती हो रही है कि आखिर 'सत्य' क्या है? अब आप क्या कहेंगे?, क्या सोचेंगे? यह तो पूर्ण रूप से आप पर ही निर्भर होंगा।

बेशक आप यह सोच सकते हैं कि भला आजकल के भागदौड़ के जमाने में लोकतंत्र या राजनीति को लेकर कौन इतनी गहरी डुबकी लगाता है। लेकिन मैं क्या करूं? मतों के सौदागरों ने तो जनता जनार्दन को इतनी सुख सुविधा से लाद दिया है कि बहुतों को तो कमाने खाने की चिंता से काफी हद तक मुक्त कर दिया है। ऐसे में सोचता हूं कि मतों का सौदा कहीं बहुत सस्ते में तो नहीं हो गया हो। देख रहा हूं कि हर राजनीतिक दल एक से बढ़कर एक स्कीम लाकर जनता जनार्दन को तमाम तरह के ऑफर दे रहे है। वैसे अच्छी तरह जानता हूं कि शायद आपको इतना सब कुछ सोचने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन,..... लेकिन दिल पर हाथ रखकर कहिए क्या मैं गलत हूं?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संघ के 100 वर्ष

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुक्लेरे

शाखा और संघ की वर्तमान उपयोगिता

6 अगस्त 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष उद्बोधन दिया। यह केवल एक संगठनात्मक भाषण नहीं था, बल्कि भारतीय समाज, संस्कृति और राष्ट्र जीवन के लिए मार्गदर्शक बौद्धिक था। उन्होंने शाखा की भूमिका, संघ की समकालीन उपयोगिता और भविष्य की दिशा पर स्पष्ट दृष्टि प्रस्तुत की।

1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के उद्देश्य से संघ की नींव रखी। शाखा इसका मूल माध्यम बनी, जिसने अनुशासन, संगठन और स्वदेशभक्ति का संस्कार दिया। शताब्दी वर्ष तक संघ गाँव-गाँव और नगर-नगर तक पहुँचकर विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन चुका है। शाखा का मूल उद्देश्य आज का समय तकनीकी प्रगति और वैश्विक आपसी जुड़ाव का है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने युवा पीढ़ी की सोच और जीवनशैली को पूरी तरह बदल दिया है। परंतु इसी के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। युवाओं में अकेलापन, अवसाद, पारिवारिक विघटन, सामाजिक असमानता और उपभोक्तावाद जैसी प्रवृत्तियाँ तेज़ी से बढ़ रही हैं।

परम पूज्य जी ने विज्ञान भवन में स्पष्ट किया कि इन चुनौतियों का उत्तर केवल शाखा में छिपा है। शाखा व्यक्ति को केवल शारीरिक रूप से सुदृढ़ नहीं बनाती, बल्कि मानसिक दृढ़ता और नैतिक मूल्य भी देती है। शाखा में होने वाले खेल आपसी सहयोग, गीत सांस्कृतिक एकता और बौद्धिक चर्चा तार्किक विवेक को मजबूत बनाते हैं। उद्बोधन में उन्होंने कहा कि शाखा केवल दंड, व्यायाम और खेल का स्थान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला है।

यहाँ व्यक्ति में आत्मविश्वास, त्याग और सेवा की भावना विकसित होती है। शाखा सामाजिक समरसता का जीवंत मंच है, जहाँ जाति, वर्ग और भाषा के भेद मिटते हैं। यह राष्ट्रभावना को प्रत्यक्ष अनुभव कराने का माध्यम है। बदलते समय में शाखा की प्रासंगिकता आज डिजिटल युग, उपभोक्तावाद और वैश्वीकरण ने युवाओं को अनेक चुनौतियों में डाल दिया है। शाखा अनुशासन और सामूहिकता का अभ्यास कराती है। आत्मकेन्द्रित जीवनशैली को त्यागकर समष्टि दृष्टि प्रदान करती है।

पारंपरिक मूल्य और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करती है। संघ की वर्तमान उपयोगिता : सामाजिक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य भागवत जी ने स्पष्ट किया कि संघ का कार्य केवल वैचारिक नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह है। सामाजिक एकता : जाति और सम्प्रदाय की दीवारें तोड़ना। सेवा कार्य : शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और ग्रामोदय में योगदान। सांस्कृतिक संरक्षण : भारतीय भाषाओं, परंपराओं और सनातन मूल्यों की रक्षा।

राष्ट्र निर्माण : राजनीति से परे समाज के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्रीय चेतना जगाना। राष्ट्रीय चुनौतियों के संदर्भ में संघ की भूमिका आज भारत आतंकवाद, मतांतरण, परिवार विघटन, पर्यावरण संकट और सांस्कृतिक विघटन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। संघ इनका समाधान सामूहिक संगठन और जागरूकता से खोज रहा है। समरसता अभियान से सामाजिक सौहार्द। ग्राम विकास से आत्मनिर्भर भारत। परिवार प्रबोधन से मूल्यनिष्ठ समाज। शाखा और आधुनिक युवा मोहन भागवत जी ने विशेष रूप से युवाओं को शाखा से जुड़ने का आह्वान किया। शाखा में खेल, गीत और बौद्धिक से जीवन संतुलित होता है। राष्ट्र की दृष्टि से जुड़कर युवा केवल करियर नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनते हैं। यह युवाओं को नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्र बनाने वाला दृष्टिकोण देती है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य - संघ का योगदान- आज विश्व भारत को वैश्विक मार्गदर्शक के रूप में देख रहा है। संघ की जीवनशैली 'विश्व को एक परिवार' मानने की भारतीय अवधारणा पर आधारित है। प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की शाखाएँ भारतीय संस्कृति का जीवंत केंद्र बनी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग, आयुर्वेद और भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रचार।

भविष्य की दिशा - संघ का आह्वान- मोहन भागवत ने कहा कि अगले 100 वर्ष संघ को केवल संगठन विस्तार में नहीं, बल्कि मूल्य आधारित राष्ट्र निर्माण में लगाना है। पर्यावरण, परिवार और शिक्षा पर विशेष ध्यान। महिला शक्ति को समाज परिवर्तन का केंद्र बनाना। प्रौद्योगिकी और आध्यात्मिकता का समन्वय कर मानवता के लिए नया आदर्श प्रस्तुत करना शाखा से राष्ट्र तक विज्ञान भवन का यह उद्बोधन संघ के शताब्दी वर्ष का घोषणापत्र था। शाखा संघ की आत्मा है और संघ भारत की सांस्कृतिक धड़कन। परमपूज्य मोहन भागवत जी का संदेश यही है कि यदि हम शाखा के संस्कारों से जुड़ें और समाज में समरसता व सेवा की भावना जगाएँ, तो भारत विश्वगुरु के रूप में पुनः प्रतिष्ठित होगा।

दृष्टिकोण

अनिल त्रिवेदी

लेखक अभिभाषक हैं।

भूतपूर्व सवाल और भूतपूर्व जवाब !

आज की दुनिया का मजा यह है कि मनुष्य का मनुष्य से ज्यादा मशीन पर भरोसा बढ़ता ही जा रहा है। मनुष्य और मशीन में बुनियादी अंतर यह है कि मनुष्य को प्रलोभन देकर खुश और सम्मानित किया और खरीदा जा सकता है डराया धमकाया जा सकता है पर मशीन को न तो खुश किया जा सकता है और नहीं डराया धमकाया या लोभ लालच देकर सम्मानित ही किया जा सकता है। मनुष्य प्रकृति का अंश है और मशीन मनुष्य की कृति का अंश है इसी कारण मनुष्य मशीनों पर एकाधिकार स्थापित कर मशीन द्वारा आंकड़ों के खेल से मनचाहा परिणाम पाने की दिशा में तेजी से चल पड़ा है। इस कारण आज की दुनिया में मनुष्य और मशीन दोनों ही केन्द्रित एकाधिकार वाली अर्थव्यवस्था के पूर्जे बन गये हैं।

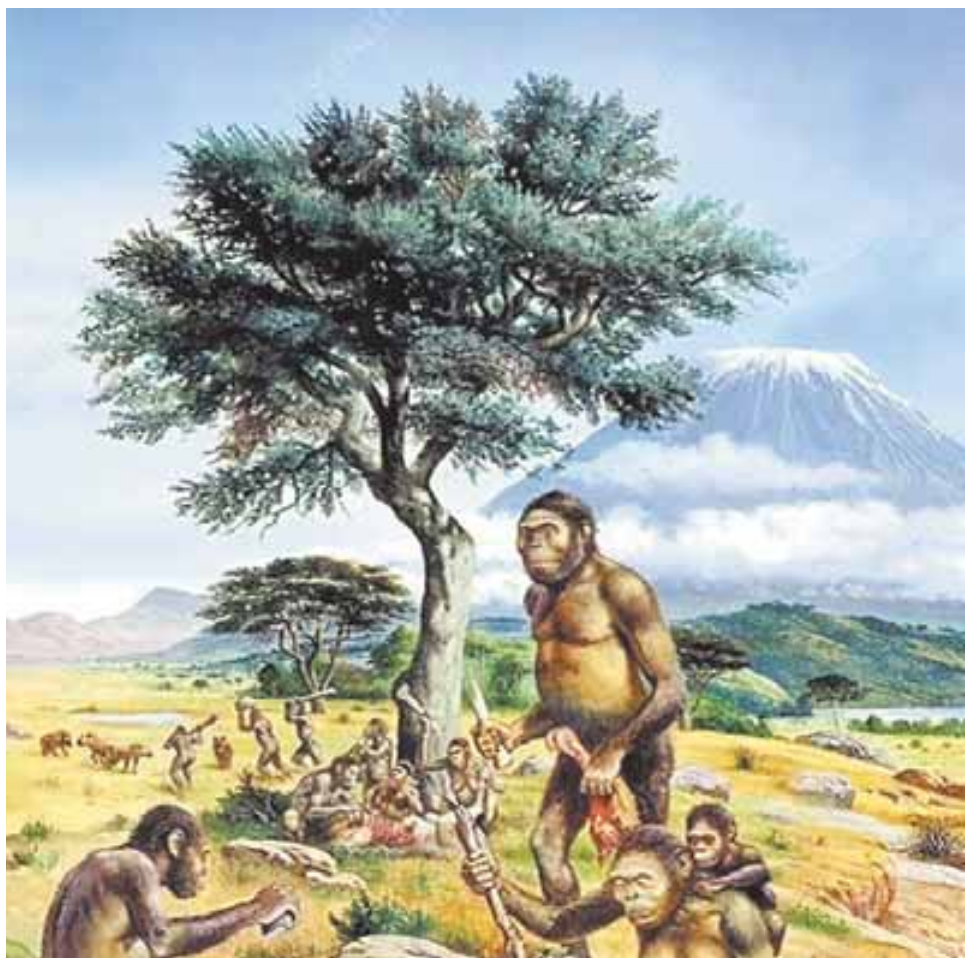

मनुष्य और दिमाग की जुगलबंदी सवाल और जवाब के बगैर नहीं हो सकती। यदि मनुष्य के मस्तिष्क में सवाल ही नहीं आते तो आज भी मनुष्य जस का तस ही होता याने प्रागैतिहासिक काल खंड जैसा आदिमानव। उस समय आदिमानव को कुछ करने और सोचने की जरूरत ही नहीं थी फिर भी उसने निरंतर सोचा थेऔर दुनिया सोच-विचार सवाल जवाब से ही निरन्तर आगे बढ़ती रही। आधुनिक काल खंड की विकसित दुनिया में आज जहां देखो वहां एक ऐसी दुनिया बनती जा रही है जो मनुष्य के मन में आये सवालों से मुंह चुराती नजर आ रही हैं!अभी तक हम असंख्य सवालों से जूझते हुए आगे बढ़ते रहे और गर्व करते नहीं थकते देखा हमने गूढ़तम सवाल का भी उत्तर तलाश लिया है! पर अब दुनिया भर में फैले हुए मनुष्य खुल कर सवाल जवाब करने से बचने लगे हैं।यह देश दुनिया के पैमाने पर ही नहीं समाज, घर - परिवार के स्तर पर भी यही सब आम बात हो रही है। बड़ों से या ताकतवर से सवाल मत पूछो यहां से ही शुरुआत हो रही है। सवाल को विद्रोह या असभ्यता की संज्ञा दी जाने लगी है। जवाब नहीं है इसलिए सवाल नहीं पूछा जाता ऐसा मामला नहीं है सवाल पूछे जाएंगे तो जवाब देना होगा और जवाब को लेकर फिर सवाल किया जावेगा और फिर ज़वाब देने का सवाल खड़ा हो जावेगा। इस लिए सवाल को खड़ा ही नहीं होने दो तो जवाब का सवाल ही नहीं खड़ा होगा! दुनिया भर की संसदों में सवाल जवाब से ज्यादा हो हल्ला शोर शराबा छाया हुआ है। प्राचीन काल में राजा महाराजा से सवाल जवाब न करने की बात तो एक बार समझीं जा सकती हैं पर चुनीं हुईं और संविधान के पेट से निकली और चलने वाली सरकारों और संस्थानों को भी सवाल जवाब नाहक बवाल ही लगने लगा है।

आज की दुनिया का मजा यह है कि मनुष्य का मनुष्य से ज्यादा मशीन पर भरोसा बढ़ता ही जा रहा है। मनुष्य और मशीन में बुनियादी अंतर यह है कि मनुष्य को प्रलोभन देकर खुश और सम्मानित किया और खरीदा जा सकता है डराया धमकाया जा सकता है पर मशीन को न तो खुश किया जा सकता है और नहीं डराया धमकाया या लोभ लालच देकर सम्मानित ही किया जा सकता है। मनुष्य प्रकृति का अंश है और मशीन मनुष्य की कृति का अंश है इसी कारण मनुष्य मशीनों पर एकाधिकार स्थापित कर मशीन द्वारा आंकड़ों के खेल से मनचाहा परिणाम पाने की दिशा में तेजी से चल पड़ा है। इस कारण आज की दुनिया में मनुष्य और मशीन दोनों ही केन्द्रित एकाधिकार वाली अर्थव्यवस्था के पुर्जे बन गये हैं।

मशीन के बल पर दुनिया भर में काम काज पर एकाधिकार करना आसान होता जा रहा है। सर्वप्रभुता सम्पन्न नागरिक सारी दुनिया में निष्प्रभावी उपभोक्ता बन गया है। आज मनुष्य किसी भी सवाल का जवाब मनुष्य के बजाय मशीन से पूछता है गूगल और ग्रोक डूबते नागरिकों के तिनके के सहारे जैसे बन गये हैं। आज की दुनिया में मनुष्य से ज्यादा मशीन की पूछताछ दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। आज तक मनुष्य या समाज का विकास मनुष्यों के मध्य होने वाले संवाद या सवाल जवाब के अंतहीन सिलसिले पर निर्भर था पर आधुनिक काल में देश और दुनिया में कोई भी आपसी विचार विमर्श और सवाल जवाब को बीती हुई दुनिया का अवशेष मानने लगे हैं। सवाल उठाना या जवाब मांगना अब असभ्यता या अभद्रता मानी जाने लगी हैं। न कुछ बोलना और न कुछ पूछना सत्ता या दुनिया चलाने वालों की पहली पसंद बन गई है। दुनिया भर में राजा रजवाड़ों से लेकर तानाशाही हुकूमत ही नहीं चुनी हुई लोकतंत्रात्मक संविधान वाली सरकारों को भी सवाल जवाब पसंद नहीं है। हमारे पढ़ें लिखे समझदार माने जाने वाले परिवारों और समाजों में भी युवा पीढ़ी को सवाल जवाब करने हेतु प्रेरित नहीं किया जाता इसके उलट आज्ञाकारी होना या आंख मीच कर जो हो रहा है उसे बिना किसी सवाल जवाब के मानते रहना ही सभ्यता और संस्कृति और संस्कार की गौरवशाली परंपरा माना जाता है।

संसदीय लोकतंत्र और संसदीय कार्य में सवाल जवाब और तार्किक बहस इतिहास हो गई। सत्ता पक्ष और विपक्ष सवाल जवाब और बहस से ज्यादा यंत्रवत कार्यवाही में उलझकर देश और दुनिया के सवालों का हल निकालने में रूचि रखने से बचना चाहते हैं। आज की दुनिया में बहस को विवाद या झगड़ा या वितण्डावाद निरूपित किया जाने पर आम सहमति जताई जा रही है।इसी कारण आज की दुनिया में मनुष्य की चेतना से ज्यादा मशीन की यंत्रवत कार्यवाही को लोकप्रिय बनाने का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। मानव जीवन की चेतना और मस्तिष्क के प्रयोग से हिल मिल कर निजी और सार्वजनिक जीवन में समस्या समाधान की मानवीय मूल्यों पर आधारित पद्धति का आधुनिक काल में दिन-प्रतिदिन लोप होता जा रहा है। विचार के मामले में सदियों से अपने देश समाज को सिरमौर मानने वाले लोग अपने देश के भविष्य के नागरिकों को वैचारिक नींव डालने वाले स्कूलों को बंद होते चुपचाप देखते हुए भौंचक्का बने हुए हैं। स्कूल कालेज में डमी एडमिशन गर्व का विषय और कोचिंग क्लास युवा शिक्षा के नये तीर्थ स्थल बन गये हैं। दुनिया भर में सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी वाले लोकतंत्र में युवा पीढ़ी के मन में सवालों और जवाबों का भूतपूर्व होते जाना आधुनिक काल में अभूतपूर्व स्थिति हैं।

सामयिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अरूणाचल में बांध के खिलाफ मोर्चा बंधा

भारत-चीन सीमा के समीप अरूणाचल में सिआंग नदी पर प्रस्तावित पन बिजली बांध के खिलाफ सिआंग घाटी में विरोध दिनों-दिन प्रबल होता जा रहा है। गौरतलब है कि इस विशाल बाँध को चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांधे जा रहे विश्व के विशालतम बाँध की भारत की ओर जवाबी कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। करीब तीन सौ मीटर ऊँचे और 13.2 मिलियन डॉलर की लागत की इस परियोजना से लगभग 12 हजार मेगावाट बिजली उत्पन्न होगी। स्थानीय आदिवासियों, जिनमें आदि समुदाय की प्रमुखता है, स्वयंसेवी संगठनों तथा पर्यावरणविदों के गहन प्रतिरोध के चलते इस महत्वाकांक्षी परियोजना के समक्ष विराट प्रश्नचिह्न उठ खड़ा हुआ है।

अरूणाचल की जीवन रेखा के तौर पर प्रवाहित सिआंग या दिहांग नदी, जिसे यार्लुंगा जांगबो के तौर पर भी जाना जाता है, पूर्वी हिमालय की प्रमुख नदी है। तिब्बत के कैलाश पर्वत के समीप यार्लुंग-उदगम से निकली यह हिमालय के समांतर पूर्वाभिमुख बहकर अरूणाचल में प्रवश करती है और फिर दक्षिण की ओर मुड़कर असम में लोहित और दिबांग से मिलकर ब्रह्मपुत्र के चौड़े पाट का निर्माण करती है। सुबनश्री, भरेली और कामेंग सिआंग की सहायक नदियां है। इसकी नील-हरित लहरों की छटा देखते ही बनती है। उसे रीवर डॉल्फिन जैसी दुर्लभ मत्स्य प्रजातियों और विविधवर्णी वन-संपदा के लिये भी जाना जाता है। विशेषज्ञों का मत है कि बांध के बाँधने से इन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। दूसरे भूकंप-संवेदी क्षेत्र होने से विशाल बाँध के निर्माण से पारिस्थितिकी प्रभावित होगी। तय है किबांध बँधने से कमसकम 25 गाँव डुबान में आयेंगे। इनमें अपर सिआंग जिले के मुख्यालय यांगकियोंग का भी समावेश है। डुबान से आदि समुदाय के पूजा स्थल भी प्रभावित होंगे और बड़ी संख्या में आदिमजन विस्थापित होंगे। ये ही कारण हैं कि प्रतिरोध दिनोंदिन बढ़ता और फैलता जा रहा है तथा सरकार प्रभावितजनों को 'कन्विंस' करने में विफल रही है। असंतोष का आलम यह है कि उसे क्षेत्र में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात करना पड़ा है, जिसके चलते उस पर घाटी को छावनी में तब्दील करने के आरोप का सामना करना पड़ रहा है।

सिआंग पर बाँध की गाथा सन 2017 में नीति आयोग के प्रस्ताव से शुरू होती है, लेकिन विरोध के चलते योजना अब तक सिरे नहीं चढ़ सकी है। रिटायर्ड चीफ इंजीनियर एटान लेगो सीस्मिक जोन की दुहाई देकर बांध रोकने की मांग करते हैं, तो सिआंग इंडीजीनस फार्मर्स फोरम के मुख्य सलाहकार अनोंग जोंगकी 'नो डैम, नो सर्वे' का फंडा बुलंद किये हुये हैं। मानवाधिकार वकील एबो मिली सरकार पर दमन और लोगों को हिरासत में लेने का आरोप लगतो हैं। सरकारी सूत्रों का दावा है कि करीब 60 फीसद आबादी बांध के समर्थन में है। उसने दिसंबर में पारोंग में ग्राम प्रमुखों को नोटिसें भी जारी कर दी हैं। लेकिन फोरम के प्रवक्ता टागोरी मिजे सरकारी दावे को चुनौती देते हुए कहते हैं कि सरकार ने आंकड़ों

में हेराफेरी, गलतबयानी और संवादहीनता बरती है। मिलें रीगा का उदाहरण देते हैं और कहते हैं कि अनेक दस्तखत फर्जी अथवा डुप्लीकेट हैं। वह पीएफआर में अनियमितता की बात करते हैं और कहते हैं कि सरकारी प्रक्रिया में ईमानदारी और पारदर्शिता का अभाव है। बाँध से प्रभावित हो रहे स्थानीयजनों ने 14 जुलाई को गेकू में रैली निकाली।

प्रदर्शनों ने पारोंग, रियेव और बेगिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आदिवासियों ने गांव-गांव में धार्मिक अनुष्ठानों के जरिये सर्वेक्षण का विरोध किया। अतिरिक्त जिला आयुक्त गामतुम पाडू जब फरवरी में पारोंग गये तो उन्हें आदिवासियों की मानसिकता का एहसास हुआ। अरूणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खाडू सिआंग पर बाँध को 'राष्ट्रीय हित' का उपक्रम मानते हैं और रीगा, रियेव और पांगकांग में एम्ओयूज होने की बात करते हैं, किंतु फोरम के अध्यक्ष गेगांग जीजोंग प्रश्न करते हैं कि बड़े पैमाने पर विस्थापन से राष्ट्रीय हित कैसे सधेगा? उनकी दृष्टि में बाँध अनेक संकटों को न्यौता देगा।

लगभग ढाई दर्जन एनजीओ इस मुद्दे पर फोरम के साथ हैं। बड़ी संख्या में लोग नदी जल वितरण पर चीन से वार्ता और संधि की बात करते हैं और मानते हैं कि भारत और चीन में सीमावर्ती क्षेत्रों में विशाल बाँधों के निर्माण पार्टिस्थिति की संतुलन बिगड़ेगा और कई संकट उठ खड़े होंगे। कहना कठिन है कि स्थानीय प्रतिरोध के चलते एनएचपीसी की यह 'संप' नामक परियोजना पूरी हो सकेगी या नहीं? उधर चीन में मेदोंग में ब्रह्मपुत्र पर 60,000 मेगावाट की विश्व की विशालतम पनबिजली परियोजना पर दुरुत गति से काम चल रहा है, जिससे भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है।

अंतरराष्ट्रीय कुत्ता दिवस

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

पाषाण काल से है कुत्ते और मानव का साहचर्य जीवन

पूरी दुनिया में पालतू और आवारा कुत्तों की संख्या एक अनुमान के अनुसार लगभग 70-80 करोड़ है। चीन, कोरिया, भारत, अमेरिका, वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलीपींस में कुत्तों की बड़ी आबादी स्थित है। उचित प्रबंधन न होने से कुत्ते अब मानव जीवन के लिए चुनौती बन रहे हैं। कुत्तों द्वारा महिलाओं-बच्चों पर हमला करने, शरीर नोच लेने की घटनाएं बढ़ी हैं। कुत्तों की बढ़ती संख्या भविष्य के बड़े संकट का संकेत है। कुत्तों की नसबंदी एवं टीकाकरण करने तथा आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में रखना समाधान का एक रास्ता हो सकता है। भारत में सरकारी आंकड़े के अनुसार 1.6 करोड़ स्ट्रीट डॉग हैं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नयी दिल्ली भी आवारा कुत्तों के हमलों से भयाक्रांत है, किंतु सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से संकट से मुक्ति की उम्मीद भरी रोशनी दिखाई पड़ी है। बावजूद इसके कुत्ते और मानव का सम्बंध मधुर बना रहेगा।

कुत्ता और मानव जीवन का सम्बंध अत्यंत प्राचीन है। पाषाण काल में कुत्तों के मनुष्य के साथ रहने के प्रमाण मिले हैं। पुरातात्विक शोधों से कुत्ते और मानव का सम्बन्ध वर्तमान से 12000-15000 वर्ष पूर्व तक प्रमाणित हुआ है। मांसाहारी प्राणी कुत्तों ने मनुष्यों के साथ रहने के लिए स्वयं में बदलाव भी किए हैं; ये बदलाव चयापचय क्रिया, प्रवृत्ति, आदत एवं स्वभाव और शारीरिक बनावट में हुए हैं। मानव जीवन के साथ कुत्ता प्राकृतिक रूप से ढलता-बसता गया है। कुत्ता मनुष्य का अंतरंग मित्र है, वह सुख-दुख का सहभागी है तो आखेटक-जीवन का संगी-साथी भी। कुत्ता एकाग्र स्वामिभक्ति एवं अविचल निष्ठा का प्रतीक है, पर्याय है। वह सुरक्षा, सतर्कता और प्रेमयुक्त व्यवहार का जीवंत आख्यान है। भगवान शिव के उग्र अंश रूप काल भैरव का वाहन है कुत्ता। धर्मराज युधिष्ठिर के साथ कुत्ता स्वर्ग की यात्रा में सहभागी है तो भगवान दत्तात्रेय के साथ रहने वाले चार श्वान वास्तव में चार वेदों तथा ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्वान ऋग्वेद के पृष्ठों में श्लोक-ऋचा से महिमा मंडित है, अभिनंदित हैं। श्वान अंतरिक्ष में पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला प्रथम मानवेतर जीवित प्राणी है। वह ख़तरनाक सैन्य अभियानों में सेना का सहायक है तो आपदा-विपदा के संकट काल में बचाव दल का सहयोगी भी। वह मनुष्य का निकटस्थ प्रियतम मित्र है, हितैषी है। श्वान अपने स्वामी की सेवा, सुरक्षा, सम्मान के लिए प्राणपण से अहोरात्र सजग-सन्नध है। तभी तो कुत्तों की पूजा-अर्चना के लिए नेपाल में मनाया जाने वाला 'कुकुर तिहार' नामक त्योहार लोक आस्था, विश्वास एवं प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण सर्वविदित है, वहीं भारत के कर्नाटक राज्य के रामनगर जनपद अंतर्गत चित्रपटना ग्राम में भी कुत्तों का एक मंदिर स्थापित है और आपदा-विपदा से बचाव हेतु पूजा कर सम्मान प्रदर्शित किया जाता है। कुत्तों के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार प्रकट करने लिए प्रत्येक वर्ष 26 अगस्त को 'अंतरराष्ट्रीय कुत्ता दिवस' मनाया जाता है, ताकि मानव और कुत्ते का सम्बन्ध नित नवीन रूप धारण कर आत्मीय सहकार, संवेदना और प्रेम-माधुर्य के साथ प्रगाढ़तर होता रहे।

अमेरिकी पालतू पशु जीवन शैली विशेषज्ञ, पशु कल्याण कार्यकत्री एवं अधिवक्ता कोलीन पैगे ने सन् 2004 में वैश्विक कुत्ता दिवस के आयोजन का आरम्भ किया था। स्मरणीय है, जब कोलीन 10 वर्ष की थीं तो स्थानीय पशु आश्रय से एक कुत्ता 'शेल्टी' को गोद लिया था। कुत्तों के प्रति उनकी समझ और दोस्ती समय के साथ गहरी होती गई। वह न केवल कुत्तों अपितु अन्य पालतू पशुओं के प्रति भी बहुत संवेदनशील एवं कल्याण हेतु सुचिंतित प्रयत्नशील रहीं। निश्चितरूप से मानव के सामाजिक जीवन में सहयोग एवं सुरक्षा में सदैव कुत्तों की महती भूमिका रही है। इसलिए कुत्तों को प्यार-सम्मान देने, कुत्तों को गोद लेने को बढ़ावा देने, उनकी सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, उनकी देखरेख एवं अधिकारों के लिए व्यक्तियों का ध्यान आकर्षित करने, कुत्तों को मानवीय दुर्व्यवहार मुक्त सहज प्राकृतिक जीवन जीने के भरपूर अवसर एवं स्थान उपलब्ध कराने, रहने एवं खान-पान की जरूरतों पर ध्यान देने तथा मानव एवं कुत्तों के परस्पर गहरे मैत्री सम्बन्धों का उत्सव मनाने हेतु कोलीन पैगे ने अंतरराष्ट्रीय कुत्ता दिवस के आयोजन की पहल कर 26 अगस्त, 2004 को पहला आयोजन किया। यह आयोजन की सफलता ही कही जाएगी कि तब से कुत्तों के प्रति लोगों के व्यवहार एवं सोच में सकारात्मक बदलाव आया तथा वे कुत्तों के प्रति कहीं अधिक संवेदनशील, सहकारी, कृतज्ञ और हितैषी

बनकर पशु कल्याण के पथ पर अग्रसर हुए। स्वाभाविक रूप से कुत्ते मनुष्य के वफादार और निश्छल साथी हैं। वे अनुशासित और साहसी होते हैं। मानव के दैनंदिन कार्यों यथा पशु चराने, शिकार करने में मदद करने, भार ढोने, घर की सुरक्षा-रखवाली एवं दिव्यागों की मदद करने सहित पुलिस एवं सेना में सहयोग कर बम-बारूद एवं अन्य विस्फोटक पदार्थों तथा ड्रग्स एवं रासायनिक हथियारों की खोज करने में अपनी सेवाएं देते हैं। युद्ध एवं प्राकृतिक आपदा बाढ़ एवं भूकम्प के समय मलबे में दबे लोगों का पता लगाने जैसे जोखिम भरा काम भी करते हैं।

पूरी दुनिया में पालतू और आवारा कुत्तों की संख्या एक अनुमान के अनुसार लगभग 70-80 करोड़ है। चीन, कोरिया, भारत, अमेरिका, वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलीपींस में कुत्तों की बड़ी आबादी स्थित है। उचित प्रबंधन न होने से कुत्ते अब मानव जीवन के लिए चुनौती बन रहे हैं। कुत्तों द्वारा महिलाओं-बच्चों पर हमला करने, शरीर नोच लेने की घटनाएं बढ़ी हैं। कुत्तों की बढ़ती संख्या भविष्य के बड़े संकट का संकेत है। कुत्तों की नसबंदी एवं टीकाकरण करने तथा आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में रखना समाधान का एक रास्ता हो सकता है। भारत में सरकारी आंकड़े के अनुसार 1.6 करोड़ स्ट्रीट डॉग हैं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नयी दिल्ली भी आवारा कुत्तों के हमलों से भयाक्रांत है, किंतु सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से संकट से मुक्ति की उम्मीद भरी रोशनी दिखाई पड़ी है। बावजूद इसके कुत्ते और मानव का सम्बंध मधुर बना रहेगा।

लेख का अंत मैं कुत्तों के त्याग, समर्पण एवं निष्ठा के दो उदाहरणों से करता हूं। 20वीं सदी के मध्य में जब अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने-समझने के मानवीय प्रयास आरंभ हुए तो मनुष्य को अंतरिक्ष भेजने से पहले अन्य जीवित प्राणी भेजने हेतु एक श्वान का उपयोग किया गया। पृथ्वी की कक्षा में स्थापना हेतु 3 नवम्बर, 1957 को प्रक्षेपित स्पुतनिक -2 यान में एक श्वान 'लाईका' को भेजा गया, यान के वापसी का तरीका तब विकसित नहीं हो सका था। स्मरण रहे, अंतरिक्ष अनुसंधान अनुष्ठान में श्वान 'लाईका' ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

दूसरा संदर्भ जापान का है। टोक्यो इम्पीरियल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिदेसाबुरो उएनो को उपनगरीय रेलवे स्टेशन शिबुया पर उनका पालतू कुत्ता 'हचिको' प्रतिदिन पहुंचाने-लेने आता था। वह सायंकाल ट्रेन का इंतजार करता और हिदेसाबुरो के मिलते ही उनसे लिपट जाता। लेकिन 21 मई, 1925 को प्रोफेसर हिदेसाबुरो उएनो का कक्षा में पढ़ाते समय निधन हो गया और वे फिर कभी ट्रेन से वापस न आ सके। लेकिन 'हचिको' उस शाम से लगातार 8 मार्च, 1935 तक अर्थात् 9 साल, 9 महिने और 17 दिन अपने स्वामी हिदेसाबुरो के आने का इंतजार स्टेशन के निकास द्वार पर करता रहा। 8 मार्च, 1935 की रात में वह सड़क पर मृत अवस्था में मिला। क़ब्रिस्तान में उसे हिदेसाबुरो के ठीक बगल में दफ़नाया गया। उसकी शव यात्रा में हजारों उदास हृदय लोग आंखों में आंसू और हाथों में फूल लिए साथ थे। स्टेशन आते-जाते लोगों ने उसे प्रतीक्षा करते देखा था, वह स्वामिभक्ति का अप्रतिम उदाहरण बन गया। उसकी स्मृति को संजोने के लिए शिबुया स्टेशन पर एक कांस्य प्रतिमा लगाई गई है, जो मानव और कुत्ते के आत्मीय प्रेम का साक्षी बन गई। आइए, कुत्तों के प्रति आदर-आभार प्रकट कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन् करें ताकि यह सम्बंध सुरभित-जीवंत बना रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने स्थानीय कारीगर से की चर्चा, गणेश प्रतिमा भी खरीदी

बैतूल। गणेश उत्सव पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल कारगिल चौक पहुंचे। वहां उन्होंने लोकल दुकानदार से मूर्ति भी खरीदी। मूर्ति विक्रेताओं को नगर पालिका द्वारा हटाए जाने की शिकायत पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मौके पर ही सीएमओ को फोन कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मूर्ति विक्रेताओं को यहां से न हटाया जाए और आने वाले वर्षों में उन्हें और बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान खंडेलवाल ने गणेश प्रतिमा और पूजन सामग्री खरीदी। उन्होंने स्थानीय कारीगरों से ही मूर्तियां खरीदने का संदेश देते हुए कहा कि सभी लोग वोकल फॉर लोकल को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाजार में प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियों से बचना चाहिए और मिट्टी की मूर्तियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। खंडेलवाल ने 1500 रुपये देकर एक महिला कारीगर से प्रतिमा खरीदी और उनकी समस्याओं के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय कारीगरों के उत्पादों का उपयोग करना ही सच्चे अर्थों में लोकल फॉर वोकल है, जिससे कारीगरों का जीवन स्तर सुधरेगा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचेगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, आमला विधायक योगेश पंडाग्रे, भाजपा नेता आनंद प्रजापति, अतीत पवार और अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरिका खान भी मौजूद रहे।

महिलाओं का जीतू पटवारी के खिलाफ विरोध, पुतले को बहाया

बैतूल। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी की महिलाओं को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ बैतूल में तीज के मौके पर महिलाओं का आक्रोश फूट पड़ा। बुधवार को माचना घाट पर पूजन सामग्री के साथ पहुंचीं महिलाओं और भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने पटवारी के पुतले को नदी में विसर्जित कर दिया। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को बयान देते हुए कहा था की मध्य प्रदेश में देश में सबसे ज्यादा महिलाएं शराब पीती हैं। उनके इस बयान के बाद से ही बीजेपी ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया। तीज पर महिलाएं पूजा के बाद कांग्रेस नेता के खिलाफ नारेबाजी करने लगीं। इसके बाद उन्होंने पुतले को माचना नदी में विसर्जन कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ममता मालवीय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, पार्षद आनंद प्रजापति, राजेश शुक्ला, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा और कोठीबाजार अध्यक्ष विक्रम वैद्य भी मौजूद रहे।

गौर विसर्जन कर तोड़ा व्रत

बैतूल। तीज पर निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं ने गणेश चतुर्थी पर गौर विसर्जन कर अपना व्रत तोड़ दिया। सुबह से ही पवित्र नदियों में हरितालिका तीज के बाद गौर विसर्जन किया गया। गाजे बाजे के साथ महिलाएं शहर के बड़ा तालाब, माचना नदी और अन्य स्थानों पर पहुंची। यहां गौर विसर्जन कर महिलाओं ने निर्जला व्रत तोड़ा। इसके पहले भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कई प्रकार के फल और मां पार्वती के सौभाग्य प्राप्ति के लिए चुनरी सहित 16 श्रृंगार की सामग्री चढ़ाई गई। सुबह से गौर विसर्जन का सिलसिला दोपहर तक चलता रहा। इसके पहले महिलाओं ने गुरुवार रात जागकर भजन कीर्तन भी किए।

हाई टेंशन 11 केवी लाइन से टकराई ट्रैक्टर ट्राली

पांच लोग झुलसे से, एक की हालत गंभीर

बैतूल/मुलताई। ग्राम चौथिया के पास आटा मिल के समीप दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमें में कीचड़ में फंसी ट्रैक्टर ट्राली को दूसरी ट्राली की मदद से निकालते समय टोचन ऊपर से जा रही 11 केवी हाई टेंशन लाइन से टकरा गई, जिसकी चपेट में आकर पांच लोग झुलस गए। जिसमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के संबंध में चौथिया उप सरपंच सतीश डोगरदिये ने बताया कि ग्राम चौथया के पास ही आटा मिल है जहां एक ट्रैक्टर ट्राली गल्ला लेकर आई थी। वर्षा के कारण ट्राली का चक्का फस गया। जिसे निकालने के लिए दूसरी ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग किया जा रहा था कि तभी हाइड्रोलिक ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन 11 केवी लाइन से टकरा गई। जिसमें पांच लोग सुलझ गए। सभी घायलों को मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर उसे बैतूल रेफर कर दिया गया है। घायलों में चौथिया निवासी जिंदा कालभोर (50) और दिनेश बारंगे (33), वलनी निवासी अखिलेश काशीराम (28) और उदय लाभ सिंह (46), तथा मुलताई निवासी अल्ताफ शामिल हैं।

वर्क आर्डर होने के बावजूद भी ठेकेदार ने नहीं किया पैंचवर्क

गड्ढों का फोरलेन, परेशान हो रहे वाहन चालक

संजय द्विवेदी,

बैतूल। बैतूल-इटारसी फोरलेन के 72 किमी में से 51 किमी बन चुका है। लेकिन 21 किमी फोरलेन सडक़ निर्माण का कार्य हाईकोर्ट में मामला होने के कारण अभी तक अटका हुआ है। जो सडक़ नहीं बन पाई है, उस सडक़ पर गड्ढे हो गये है। एनएचएआई ने 2024 में 2 करोड़ 99 लाख का बिलो रेट का पैचवर्क का ठेका गोपालजी कंस्ट्रक्शन को दिया था। इसके वर्क ऑर्डर दिसंबर 2024 में हुए थे और 31 दिसंबर 2024 से 31 दिसंबर 2025 तक एक साल में काम पूरा किया जाना था। लेकिन यहां सडक़ पर कहीं भी पैचवर्क के निशान तक नहीं हैं। अब रोजाना वाहन चालक गड्ढों के कारण दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इधर इस मामले में एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि पक्का पैचवर्क बारिश के कारण नहीं हो सकता है। इसलिए फिलहाल गड्ढों को जीसीबी से भरने का काम किया जा रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि बैतूल से इटारसी के बीच 650 करोड़ की लागत से 72 किलोमीटर फोरलेन बनना था। 72 किलोमीटर में से 21 किलोमीटर में अभी भी काम रुका हुआ है। लेकिन जो 51 किलोमीटर सडक बनी है, उसमें भी इंतजामात अधूरे ही हैं। सडक पर भारी ट्रैफिक शुरू होने और टोल टैक्स वसूली करने के बावजूद अब तक यहां पर सुविधाएं अधूरी हीं हैं। इस सडक का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में डूबा रहता है। कई जगहों पर क्रॉसिंग भी नहीं बनी है। जिससे लोग रांग साइड से वाहन चलाते है और दुर्घटना का शिकार बन रहे है। कुछ जगहों पर लाइट नहीं होने से लोगों को आने-जाने में दिक्कते होती है।

अभी तक डामरीकरण का काम शुरू तक नहीं- बैतूल-इटारसी फोरलेन के 72 किलोमीटर में से 21 किलोमीटर सडक अधूरी है। इसका मामला अधर में है, इसका पैचवर्क नहीं किया गया है। एनएचएआई ने इसके पैचवर्क का ठेका करते हुए लगभग पांच महीने पहले वर्क आर्डर जारी किए थे। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि बारिश के कारण यह काम रुका है। जबकि इस पूरी सडक पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। वाहनों के इनमें जाने से इनमें खराबियां आ रही हैं। बस मालिक व वाहन चालक मोनू आर्य ने बताया कि बसों के पहियों में गिट्टी घुसने और आगे-पीछे के पट्टे टूटने की स्थितियां बहुत बन रही हैं। वाहनों में खराबी लगातार आ रही है। हर बार पट्टा बदलने पर 1400 से 2600 रुपए तक खर्च होते हैं। सोनू बारस्कर ने बताया कि गड्ढे के कारण वाहन खराब हो रहे हैं।

अधूरे 21 किमी फोरलेन पर गड्ढे ही गड्ढे- बरेठा मंदिर के समीप और सारनी जाने वाली टर्निंग के पास सडक़ पर किसी तरह का काम नहीं होने की बात वाहन चालकों ने बताई है। बरेठा मंदिर के समीप किसी तरह का काम नहीं दिखा है। सडक़ पर गड्ढों की वजह से वाहनों के खराब होने और पलटने की घटनाएं हो रही है। जिसका खामियाजा अन्य वाहन चालकों को आए दिन जाम जैसी स्थिति के रूप में चुकाना पड़ रहा है। बताया जाता है कि घाट में छोटे-मोटे जाम तो आमबात है। यहां टर्निंग पर सडक बमुश्किल 6 मीटर चौड़ी है, इस कारण वाहन फंस जाते हैं और कई बार तो पलट जाते हैं। अधिकांश जाम मंदिर के दोनों ओर की संकरी टर्निंग पर लगते हैं। यहां बड़े वाहनों के टर्न करने के दौरान रिवर्स आने की भी अधिक संभावना रहती है।

घाट सेक्शन में बनाए जाने हैं दो एनीमल अंडरपास- बैतूल से इटारसी के बीच 650 करोड़ से 72 किलोमीटर फोरलेन बनना था। इसमें से 21 किलोमीटर में काम रुका हुआ है। फोरलेन निर्माण से बाघों और अन्य वन्य प्राणियों का आवागमन प्रभावित नहीं हो, इसके लिए फोरलेन पर दो जगह 1 किलोमीटर और 400 मीटर लंबे एनीमल अंडरपास बनाने की रिपोर्ट राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने एनएचएआई को दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार तवा परियोजना के प्रवेश द्वार के समीप और बरेठा घाट के समीप एनीमल अंडरपास बनाने पड़ेंगे। जिससे कि वन्य प्राणियों का आवागमन इस फोरलेन के बनने से प्रभावित नहीं हो। इस रिपोर्ट के बाद 21 किलोमीटर में रुका हुआ काम शुरू होने के आसार बन गए थे। लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

इनका कहना है -

मेंटनेंस का काम कॉन्टैक्टर को दिया है। कॉन्टैक्टर को दिसंबर 2025 तक काम पूरा करना है। अभी यंहा जीसीबी से गड्ढे भरने का काम किया जा रहा है। केसला के पास थोड़ा काम बचा है। दो-चार दिन में यह काम भी पूरा हो जायेगा।

- मनीष मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

क्षेत्र के बिजली प्रकरणों की मुलताई नहीं, अब आमला न्यायालय में होगी सुनवाई

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के प्रयास रंग लाए

बैतूल। आमला बोरदेही क्षेत्र के बिजली चोरी के प्रकरणों की सुनवाई पूर्व में सेशन कोर्ट मुलताई में होती थी, किन्तु अब बिजली प्रकरणों की सुनवाई अतिरिक्त सेशन कोर्ट आमला में होगी। इस संबंध में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर ने आमला क्षेत्र के विद्युत प्रकरणों की सुनवाई मुलताई की जगह आमला कोर्ट मे करने के लिए 25 अगस्त 2025 को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस सबंध मे क्षेत्रीय विधायक योगेश पंडागरे ने मध्यप्रदेश शासन के विधि एवं विधाई कार्य विभाग से अधिसूचना जारी करवाने के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अनुरोध कर बताया था कि क्षेत्र के बिजली प्रकरणों की सुनवाई आमला के न्यायालय मे होना चाहिए, क्योंकि क्षेत्र के लोगो को अधिक आर्थिक व्यय कर मुलताई जाना पता था, जिससे आर्थिक व्यय के साथ समय की बर्बादी भी होती थी। इस संबंध में ग्रामीणों, किसानों एवं अन्य संगठनों की मांग को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक योगेश पंडाग्रे इस पर लगातार प्रयासरत थे, जिसका सुखद परिणाम अब सामने आया है। आमला न्यायालय में बिजली प्रकरणों की सुनवाई शुरु होने से क्षेत्र के किसानों, आम नागरिकों, अधिवक्ता संघ और भाजपा कार्यकर्ताओ ने विधायक योगेश पंडागरे एवं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

इनका कहना है-

आमला न्यायालय में बिजली प्रकरणो की सुनवाई शुरु होने से ग्रामीणों, गरीबों व किसानों को मुलताई नही जाना पड़ेगा। विधि एवं विधाई कार्य विभाग से पूर्व आदेशो मे संशोधन करवाकर सुनवाई आमला न्यायालय मे शुरु करवाई है। मैं अपने क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध हूँ।

- डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र

नगर के दोनों एटीएम बंद, उपभोक्ताओं की बढ़ी मुश्किलें

बैतूल/भौंरा। भौंरा नगर के लोगों को बैंकिंग सुविधा के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। नगर में दो एटीएम संचालित हैं, जिनमें से एक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का सीमेंट रोड मार्केट स्थित एटीएम है, जबकि दूसरा पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का एटीएम मेंन रोड स्थित बैंक शाखा के सामने है। दोनों एटीएम विगत कई दिनों से बंद पड़े हुए हैं, जिसके चलते व्यापारी वर्ग और ग्रामीण उपभोक्ताओं को गंभीर परेशानी उठानी पड़ रही है। जानकारी के अनुसार, एसबीआई का एटीएम पिछले आठ दिनों से शटर डाउन है, वहीं पीएनबी का एटीएम पिछले 15 दिनों से बंद पड़ा है। स्थिति यह है कि उपभोक्ताओं को कैश निकासी के लिए मजबूरन बैंक शाखाओं की ओर रुख करना पड़ रहा है। व्यापारी अश्विनी दुबे, कृष्णकांत मालवीय,पराग राठौर, दिनेश मालवीय, गौरव राठौर और प्रदीप दुबे ने बताया कि लंबे समय से एटीएम बंद होने से लेनदेन प्रभावित हो रहा है। इससे व्यापारियों को नकदी लेनदेन के लिए अतिरिक्त समय और परेशानी उठानी पड़ रही है। बैंक हर साल उपभोक्ताओं से एटीएम चार्ज वसूलती है, लेकिन सुविधा देने में पूरी तरह नाकाम है। इससे आम ग्राहकों और व्यापारियों दोनों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बैंक प्रबंधन यदि समय रहते एटीएम की नियमित देखरेख और सुचारू संचालन सुनिश्चित करे तो उपभोक्ताओं को इस तरह की समस्या से राहत मिल सकती है।पीएनबी के संबंध में प्रबंधन स्तर से प्राप्त जानकारी के अनुसार एटीएम का कैश लॉक खराब हो गया है। बैतूल से इंजीनियर आकर इसकी जांच कर चुके हैं और अब दिल्ली से तकनीकी टीम आने के बाद ही इसे ठीक किया जाएगा।

इनका कहना है -

एटीएम में नई मशीन लगाने का कार्य जारी है। यह प्रक्रिया जिले के सभी एटीएम में चल रही है। उन्होंने कहा कि आगामी माह तक नई मशीन लग जाएगी, तभी भौंरा का एटीएम फिर से प्रारंभ हो पाएगा।

- मुकेश उईके, एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय

अधिवक्ता संघ आमला ने विधायक का जताया आभार

आमला। अधिवक्ता संघ आमला के चुनाव के बाद से ही नव निर्वाचित अध्यक्ष केएन चौकीकर, सचिव ब्रजेश सोनी, उपाध्यक्ष रवि शंकर पटवारी, सह सचिव सी एल सोलंकी, कोषाध्यक्ष श्रीमति शारदा यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल पाठक, केएल झारिया, वेदप्रकाश, साहू मधुकर महाजन , हरिराम चौधरी, महेश सोनी, शिवपाल उबनारे,गुलाब दवडे,रानी शेख, सुरेंद्र बारंगे, हरिशंकर पाल, केएल पाल, अषादू बिँझाड़े, मनोज कश्यप, राजेश अमरोही, मनोज दीवाने, अधिवक्तागण पदाधिकारियों एवं कार्यकारणी सदस्यों द्वारा आमला में बिजली विभाग के प्रकरणों की सुनवाई के लिए प्रयास करते हुए क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे जी के सामने समस्या रखी, जिसे उन्होंने संज्ञान में लेते हुए उन्होंने विधि विधाई विभाग से संपर्क कर आमला क्षेत्र की समस्या विधि विधाई विभाग में रखी एवं जिला न्यायधीश बैतूल एवं उच्च न्यायालय में चीफ जस्टिस्ट ऑफ मध्यप्रदेश के समक्ष एक प्रतिनिधि मंडल ने आमला न्यायालय से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याएं रखी थी, जिस पर विधि विधाई विभाग से अनुमति प्राप्त हुई एवं उसका नोटिफिकेशन जारी कर मुलताई में आमला क्षेत्र के सुने जाने वाले बिजली विभाग के प्रकरणों को आमला न्यायालय में ही सुनवाई किए जाने के आदेश प्राप्त हुए। जिससे आमला न्यायालय में बिजली विभाग के नवीन एवं लगभग 250 लंबित प्रकरणों की सुनवाई आमला न्यायालय में ही होगी। इस उपलब्धि पर आमला क्षेत्र वासियों अधिवक्ता संघ आमला द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से ब्लैकमेलिंग करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 1 सोने की चैन, 1 सोने की अंगूठी एवं 1 मोबाईल फोन जप्त

बैतूल। पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से ब्लैकमेलिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 सोने की चैन, 1 सोने की अंगूठी एवं 1 मोबाईल फोन सहित कुल 1 लाख 80 हजार रुपये का मशरूका जप्त किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 25 अगस्त को फरियादिया (नाबालिग बालिका) द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि जून 2025 में उसकी इंस्टाग्राम पर पहचान आरोपी सुमित कहार निवासी नर्मदापुरम से हुई थी और वह उससे चैटिंग करने लगी। कुछ समय पश्चात आरोपी ने फरियादिया को धमकी दी कि यदि वह उसे पैसे नहीं देगी तो उसकी फोटो को एआई के माध्यम से एडिट कर अश्लील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। डर के कारण फरियादिया ने 15 जुलाई 2025 को संजीवनी स्कूल, टिकारी के पास आरोपी को अपने घर की 1 सोने की चैन एवं 1 सोने की अंगूठी दे दी।

इसके बाद भी आरोपी लगातार उसे ब्लैकमेल करता रहा एवं 20,000 की और मांग करने लगा। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बैतूल में धारा 78(2), 308(2) बीएनएस, 11(i1), 12 पाक्सो एक्ट का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

उत्तर वनमण्डल में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, लाखों का सागौन जब्त

सीसीएफ और डीएफओ के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई, जीरो टॉलरेंस नीति का असर

बैतूल। उत्तर वनमण्डल में वन विभाग की टीम ने मंगलवार को अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मुख्य वन संरक्षक वासु कनोजिया के निर्देश और उत्तर वनमण्डल डीएफओ नवीन गर्ग के मार्गदर्शन में हाल ही में पदस्थ परिवीक्षाधीन आईएफएस अधिकारी रमेश चन्द्र मीणा की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई ने वन माफियाओं में हड़कंप मचा दिया। परिक्षेत्र रानीपुर में 25 और 26 अगस्त को बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। इस अभियान में बैतूल, शाहपुर, भौरा, सारणी और रानीपुर परिक्षेत्र के 60 से अधिक वन अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त टीम शामिल रही। इस दौरान हजारों रुपए की कीमती सागौन जब्त किया गया और तीन माफियाओं को शिकंजे में लिया गया।

दरअसल, 25 अगस्त की रात परिक्षेत्र अधिकारी भौरा एवं रानीपुर की टीम ने केरिया गांव के पास गश्त के दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-48-एमके-5830 पर अवैध सागौन परिवहन करते हुए अशोक पिता दीना साहू निवासी जाजबोड़ी को पकड़ा था। उसके कब्जे से 0.072 घनमीटर सागौन चरपट बरामद कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। पूछताछ में अशोक ने बताया कि यह लकड़ी उसने जांगड़ा निवासी रामकेश कासदे से खरीदी थी।

शहर में अतिक्रमणकारियों पर गिरेगी गाज, प्रशासन सख्त

मुख्य सड़कों, गलियों, चौक चौराहों से हटेगा अतिक्रमण

आमला। शहर में एक बार फिर अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन नकेल कसने जा रहा है, हालांकि नगर प्रशासन समय-समय पर इस तरह की कार्यवाही करता रहा है, किंतु अतिक्रमणकारियों द्वारा फिर स्थिति यथावत कर ली जाती हैं। शहर में यातायात की बिगड़ती व्यवस्था और लोगों को आवागमन में हो रही दिक्कतों के चलते प्रशासन को सख्त रुख अपनाना पड़ रहा है। इसके लिए नगर पालिका प्रशासन ने मंगलवार को पूरे शहर में चिन्हित क्षेत्र से अतिक्रमण हटाकर व्यापारियों को हद में दुकान लगाने की हिदायत दी है। इसके लिए नगर प्रशासन ने बस स्टैंड, शनिवार बाजार, रेस्ट हाउस, जनपद चौक, मेंन रोड में व्यापारियों को समझाइश दी। नगर पालिका प्रशासन के अखिलेश राजनेगी, पृथ्वीराज चौहान ने बताया है कि नगर पालिका अधिकारी के निर्देशानुसार शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश दिए गए हैं, व्यापारियों को समझाइश दी गई है, नियम तोडने वालों पर दंडात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

नक्शे से रास्ते भी गायब कर दिए: शहर में अतिक्रमण का आलम ये है कि शहर के मुख्य चौक चौराहे ही नहीं, बल्कि अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद है कि शहर के नक्शे से कई सडक़े ही गायब हो गई हैं। इनमें पुराना थाना स्थित एक सडक़ मेंन रोड के पीछे स्थित सडक़, बस स्टैंड से वर्मा बर्तन को जोडने वाली एक सडक़ के अलावा भी कई महत्वपूर्ण सडक़े शहर के नक्शे से अतिक्रमणकारियों ने अपनी मकान दुकान बनाकर गायब कर दिया है। ऐसे में इन अतिक्रमणकारियों के हौसले और प्रशासन की भी लापरवाही का भी अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि कुछ मामलों में लोगों की शिकायत के बाद नगर पालिका प्रशासन ने ऐसे लोगों को नोटिस आदि जारी किए हैं।

आवास योजना की राशि ली नहीं बनाया आवास: इधर नगर पालिका प्रशासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना फेज क्रमांक एक के अंतर्गत योजना की पूरी राशि लेने के बाद भी आवास नहीं बनाए जाने पर ऐसे हितग्राहियों को भी चिन्हित किया है, और नपा प्रशासन ऐसे हितग्राहियों पर कार्यवाही भी करने जा रही है, योजना प्रभारी रमेश देशमुख ने बताया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शहर के कुछ लोगों ने योजना की पूरी राशि लेने के बाद भी अपना आवास तैयार नहीं किया है, ऐसे हितग्राहियों के बैंक खाते सीज करने के अलावा दंडात्मक कार्यवाही भी की जा रही है, ऐसे हितग्राहियों में श्रीमती बानो बी पीर खान, फुलवंती दयाल अतुलकर,लीलाबाई रातचंद्र, शोभा किशन साहू, कलावती जुगल सिंह, और मुकेश्वर बाबूराव शामिल हैं।

इनका कहना है -

शासन के निर्देशानुसार शहर में जहां भी अतिक्रमण संबंधी शिकायतें आ रही है,कार्यवाही की जाएगी आवास योजना में भी लापरवाही बरतने वालों को नोटिस जारी किए गए।

-नितिन बिंजवे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आमला

वक्रोक्ति

प्रमोद भार्गव

लेखक पत्रकार हैं।

कुत्ता प्रसंग और युधिष्ठिर

आजकल न्यायालय से सड़क तक कुत्ता प्रसंग चल रहा है। यह गोवंश को बचाने से कहीं ज्यादा अहम हो गया है। अब अहम तो दोनों ही हैं, गाय दूध के लिए माता कही जाती है और कुत्ता आदमी का वफादार मित्र है। उसकी यही कृतज्ञता के फलत: महाभारत युग में धर्मराज युधिष्ठिर अपने अनुजों के साथ भक्त कुत्ते को भी स्वर्गारोहण के लिए ले गए थे। जैसे कुत्ता न हुआ शरीर का कोई अभिन्न हिस्सा हुआ।

आवारा और अनाथ बच्चों के आश्रयों की तरह देश में पशु-आश्रय स्थल भी बन गए हैं। इनमें आवारा, कटखना, खोए हुए कुत्तों और बिल्लियों को शरण दी जाती है। घर के कई बुजुर्ग, कई-कई संतान होने के बाद भी वृद्धाश्रमों में दिन काटने को मजबूर हैं। नाती-पोतों से वंचित रहते हुए अकेलेपन को अवसाद में भोग रहे हैं। बढ़ते एकल परिवारों में बूढ़ों का यही हश्र हो रहा है। लेकिन देश को इन बूढ़ों से कहीं ज्यादा कुत्तों की चिंता हैं। अतएव शीर्ष न्यायालय का आदेश है कि आवारा एवं कटरखने कुत्तों को पकड़कर उनकी टीकाकरण के साथ नसबंदी भी की जाए। तदुपरांत उन्हें छोड़ा जाए। यदि कोई कुत्ता हिंसक होने के साथ रेबीज से संक्रमित है तो वह संरक्षण में ही रहे। पशु प्रेमी चाहें तो ऐसे कुत्तों को गोद भी ले सकते हैं।

भला करें राम! जिस देश के बाल संरक्षण गृह, नशा मुक्ति केंद्र और आंगनवाड़ियां अर्थाभाव के चलते बच्चों को कुपोषित होने से नहीं बचा पा रही हैं, वहीं अब बच्चों से ज्यादा कुत्तों की चिंता बढ़ रही है। अदालतें भी कुत्तों पर मेहरबान हैं। चूंकि न्यायालयों पर काम का बोझ बहुत है, करोड़ों मामले लंबित हैं। इस परिप्रेक्ष्य में न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थायी पुनर्वास के संबंध में निर्देश दिए हैं कि इस आदेश के विरुद्ध अर्जी पेश करने वाले व्यक्ति को अब 25 हजार और सरकारी संगठनों को दो लाख रुपए पंजीकरण हेतु शीर्ष न्यायालय को देने होंगे। यह राशि कुत्तों के लिए बुनियादी सुविधाएं हासिल कराने के काम आएगी। इस कमाल की बाध्यता के चलते जनहित याचिकाएं लगाने वाले लोगों की संख्या घट जाएगी।

अंतत: कुत्ते के प्रति असली मोह न तो अदालत का है और न ही अर्जीकर्ताओं का ? श्वान की वफादार प्राकृतिक प्रवृत्ति के प्रति असली मोह तो आदमी और कुत्ते के बीच जीव-जगत के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक निर्लिप्त भाव से युधिष्ठिर ने ही जताया है। उनका कुत्ता मोह इतना अटूट है कि स्वर्गारोहण तक बना रहता है। जबकि पत्नी द्रोपदी से लेकर भाई तक उनका साथ छोड़ते चलते हैं पर कुत्ता साथ बना रहता है।

तो भला करें पांडवों का राम! पांडव पृथ्वी की परिक्रमा लगाकर योग बल के बूते हिमालय पर उत्तर दिशा में चल रहे हैं। योग के संयम से द्रोपदी का मन भंग हो गया और वे प्राण छोड़ते हुए पृथ्वी पर गिर पड़ीं। तब भीम ने धर्मराज युधिष्ठिर से इस मृत्यु का कारण जाना। वे बोले, द्रोपदी पक्षपात करते हुए अर्जुन से सबसे ज्यादा प्रेम करती थी, अब उसी का फल भोग रही है।

इसके बाद अपनी बौद्धिक विद्वता का भ्रम पाले रखने वाले सहदेव धरा पर लुढ़क गए। भीम ने फिर कारण जाना। धर्मराज बोले, सहदेव अपने जैसा किसी को बुद्धिजीवी नहीं समझता था। बुद्धि-भ्रम उसका आजीवन बड़ा दोष रहा। अतएव चलता बना। स्वर्ग के कथित मार्ग पर आगे बढ़े तो सर्वश्रेष्ठ रूपवान नकुल धराशयी हो गए। भीम ने अनुज की मौत पर प्रश्न किया। तब धर्मराज वाले नकुल का सुंदरता के संदर्भ में सोच अत्यंत संकुचित था, वे रूप में अपने से ज्यादा सुंदर किसी अन्य को नहीं मानते थे। इसलिए यही दोष उनके पतन का कारण बना।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धनुषधारी अर्जुन अपने भाईयों की मृत्यु से शोक-संतप्त अर्जुन भी खेत रहे। तब भीम की जिज्ञासा का श्माण करते हुए धर्मराज बोले, इसे अपनी शूर-वीरता का यहां तक अहंकार था कि मैं एक दिन में ही सभी शत्रुओं को भस्म कर डालूंगा। किंतु ऐसा कर नहीं पाया, इसलिए अपने कर्म का फल भोग रहा है।

अब अग्रज के साथ चलते प्राण त्यागते भीम भी धरती पर गिरते हुए बोले, अब भ्राता मेरी भी इस गति का कारण बताइए ? तुम बहुत भोजन करने के साथ अपने शक्ति बल की डींगे हांकते थे, यही अभिमान तुम्हारे अंत का कारण है। यह कहते हुए युधिष्ठिर भीम की दशा देखे बिना ही आगे बढ़ गए। उनका प्रिय कुत्ता उनका अनुसरण करता रहा। अब इस पक्षपाती व अहंकार से भरी दुनिया में कौन ऐसा श्वान-प्रेमी होगा, जिसके साथ स्वामी भक्त कुत्ता स्वर्गारोहण कर जाए? क्योंकि अब कुत्तों के तथाकथित संरक्षकों और कुत्ता पीड़ितों में अपने-अपने अस्तित्व बचाए रखने की प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है और दोनों का जीवनदान की इबारत लिखने में लगी है।

सच की ताकत से दबाव में आकर, मप्र सरकार को अपनी रणनीति से पलटना पड़ा : जीतू पटवारी

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस का निर्णायक संघर्ष जारी रहेगा

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस एक बार फिर स्पष्ट कर रही है कि 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर वह कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को हम हर संभव तरीके से लड़ेंगे और संवैधानिक अधिकार के लिए निर्णायक संघर्ष करते रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सच की ताकत से दबाव में आकर, मप्र सरकार को अपनी रणनीति से पलटना पड़ा और सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने जवाब को वापस लेने के लिए आवेदन देना पड़ा। इसके साथ ही, भाजपा सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि अब भविष्य में ऐसे झूठे तथ्यों को अदालत के समक्ष नहीं प्रस्तुत किया जाएगा। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशभर के ओबीसी समाज, छात्र संगठनों, युवाओं और अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से इस मुद्दे पर व्यापक जन जागरण और आंदोलन आयोजित करेगी। जरूरत पड़ी तो न्यायालयीन और जमीनी संघर्ष के साथ-साथ जन समर्थन जुटाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

यह लड़ाई न केवल ओबीसी वर्ग के लिए, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश की न्यायप्रियता और सामाजिक समानता के लिए निर्णायक होगी। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पुनः दोहराया कि वर्तमान की मोहन यादव सरकार ओबीसी वर्ग को संविधान द्वारा प्रदत्त 27 प्रतिशत आरक्षण देने में पूरी तरह नाकाम रही है और इसके लिए लगातार अवरोध और कानूनी जटिलताओं को बढ़ावा दे रही है। यह माफी स्वयं दिखाती है कि सरकार ने कैसे संवैधानिक अधिकारों को लेकर छल-कपट और झूठा दांव खेला। पटवारी ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने 19 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों द्वारा दायर याचिका का विरोध किया और कड़े शब्दों में कहा था कि प्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू न किया जाए। यह कारगुजारी इस बात को दर्शाती है कि भाजपा सरकार संवैधानिक अधिकार को लागू करने की बजाय ओछी राजनीति कर रही है। जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भी भटकाना चाहती है। पीसीसी चीफ ने स्पष्ट किया कि प्रदेश कांग्रेस ने जब पूरे साहस और पारदर्शिता के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जनता को इस सच से अवगत कराया, तो भाजपा की पूरी मशीनरी ने इस मुद्दे को दबाने के लिए झूठे और मनगढ़ंत षडयंत्रों में लग गई! प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ओबीसी समाज के युवाओं को यह भरोसा दिया कि कांग्रेस उनकी आवाज़ बनेगी और 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर लड़ाई जारी रखेगी। यह संघर्ष केवल राजनीतिक बात नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा की लड़ाई है। कांग्रेस यह मांग करती है कि सरकार अब राजनीति छोड़कर न्याय व संवैधानिक अधिकारों को प्राथमिकता दे, ताकि पिछड़ा वर्ग और ओबीसी युवाओं को उनके हक के अवसर मिल सकें।

भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिक ग्रंथों का विशेष महत्व : अशोक पांडेय

भक्ति सिद्धि और राम पुस्तक का लोकार्पण

भोपाल। अर्चना प्रकाशन न्यास भोपाल के तत्वावधान में वरिष्ठ लेखक श्रीराम माहेश्वरी की पुस्तक 'भक्ति सिद्धि और राम' का लोकार्पण विश्व संवाद केंद्र शिवाजी नगर भोपाल में संपन्न हुआ । मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग अशोक पाण्डेय ने कहा कि- भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिक ग्रंथों का विशेष महत्व है। भक्ति सिद्धि और राम पुस्तक में केवल आध्यात्मिक महत्व की बातें ही नहीं है, इसमें सामाजिक पहलुओं को भी समाहित किया गया है ।

अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं संयोजक सप्रे संग्रहालय पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि रामायण महाभारत और गीता भारत के महान ग्रंथ हैं। इनका पारायण करके मनुष्य आध्यात्मिक विकास कर सकता है। विशिष्ट अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भक्ति से सिद्धि प्राप्त होते ही व्यक्तित्व राममय हो जाता है। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार प्रभुदयाल मिश्र ने सिद्धियों के प्रकार व उनके योग में महत्व का वर्णन किया। कृति के रचनाकार श्रीराम माहेश्वरी ने पुस्तक की विषय वस्तु के संदर्भ में बताया कि- भक्ति सिद्धि और राम पुस्तक में भक्ति का परिचय, मानस में नवधा भक्ति, श्रीमद् भागवत में भक्ति, श्रीमद्भगवत गीता में भक्ति तथा पूज्य संतों की राम भक्ति का विवरण प्रकाशित किया गया है। स्वागत वक्तव्य अर्चना प्रकाशन के निदेशक श्र ओमप्रकाश गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम संचालन अखिल भारतीय साहित्य परिषद महामंत्री,वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती सुनीता यादव ने किया। सरस्वती वंदना सुनीता शर्मा ने प्रस्तुत की। पुस्तक पर अपने विचार गीतकार ऋषि श्रृंगारी ने रखे, आभार अर्चना प्रकाशन के उपाध्यक्ष माधव सिंह दांगी ने किया।

ब्रह्माकुमारी बालाजीपुरम सेवा केंद्र द्वारा रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया

विदिशा (निप्र)। ब्रह्माकुमारी बालाजीपुरम सेवा केंद्र के द्वारा ब्रह्माकुमारी सपना बहन के सानिध्य में विदिशा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि पर विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में सेवा केन्द्र के द्वारा मनाया गया है। दादी की स्मृति में सेवाकेंद्र पर रक्तदान किया गया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, श्री मनोज कटारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत चैबे, वरिष्ठ समाजसेवी अतुल शाह, गोविंद देवलीया, जीएस चैहान, लायंस क्लब अध्यक्ष शाश्वत शर्मा, राजकुमार सर्राफ, अरुण सोनी, अमोल अग्रवाल, क्लब के सभी मेंबर, बीके चमन लाल, एचडीएफसी बैंक मैनेजर श्रीनाथ एवं विदिशा की अनेक समाजसेवी मौजूद रहे। सेवा केन्द्र द्वारा उपलब्ध जानकारी अनुसार आज विदिशा में सम्पन्न हुए रक्तदान शिविर में 15 यूनिट रक्त संग्रह कर जिला चिकित्सालय को उपलब्ध कराया गया है। संस्थान द्वारा बताया गया कि ममतामयी दादी जी की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।

43 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी एवं जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक के सहयोग से ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि को विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर रविवार 24 अगस्त को ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नर्मदापुरम के तत्वाधान में ब्रह्माकुमारी आश्रम विक्रम नगर, रसूलिया में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 43 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की सेवा की। रक्तदान शिविर का शुभारंभ नर्मदापुरम नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, अर्चना पुरोहित, समाजसेविका नीरजा फौजदार, ट्रैफिक डीएसपी संतोष मिश्रा, सेमेरिटन स्कूल के एमडी आशुतोष शर्मा, डीएचओ डॉ. सुनीता नागेश, चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. सुनील जैन, ब्रह्माकुमारीज से सुनीता बहन एवं तुलसा बहन, सीआईएसएफ इंस्पेक्टर नीरज कुमार एवं उनकी टीम की उपस्थिति में हुआ। शिविर को सफल बनाने में ब्रह्माकुमारीज राजयोग प्रशिक्षण आश्रम का स्टाफ, भारतीय रेडक्रॉस समिति, रोटरी एवं लायंस क्लब तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। रक्तदाताओं में निरंजना बहन, अनन्या पब्लिक स्कूल से पल्लवी भदौरिया, बबीता बहन, पवन भाई, पंकज, प्रफुल्ल, अजीत, संजय, रीतेश राजपूत, राजेश, कुंदनलाल, सत्यम, नरेश गौर, कुलदीप सहित अन्य ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर रक्तदान महादान के संकल्प को साकार किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को उज्जैन प्रवास के दौरान मशहूर ढाबा रोड की कचोरी का आनंद लिया।

विदिशा में एमपी-सर्ट की पहल

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में एमपी-सर्ट द्वारा साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया था। मध्यप्रदेश शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विशेष इकाई एमपी-सर्ट (मध्यप्रदेश-कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम) द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता और तैयारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला स्तर पर विशेष पहल की जा रही है।

इंदौर में डीसीपी की बड़े होटल में लग्जरी विदाई पार्टी

वर्दी में पहुंचे अफसर, पुलिसकर्मियों ने बरसाए फूल, रस्सी से गाड़ी खींची ; तोहफे में सिंहासन दिया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के जोन-1 के डीसीपी रहे विनोद मीणा का दो दिन पहले हुए विदाई समारोह का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो के जरिए दावा किया जा रहा है कि समारोह में भव्य आतिशबाजी के बीच डीसीपी का स्वागत-सत्कार किया गया। फूलों की रस्सी बनाकर उनकी गाड़ी को खींचा गया। डीसीपी को सिंहासन गिफ्ट किया गया। बताया जा रहा है कि यह पार्टी बायपास स्थित आनंदम रिसोर्ट में रखी गई थी। अब इस आलीशान पार्टी की चर्चा पूरे पुलिस महकमे में है। इसके साथ ही इतने बड़े आयोजन को लेकर सवाल भी उठाए जा रहे हैं।

एंट्री और विदाई के दौरान जमकर आतिशबाजी: बताया जा रहा है कि तेजाजी नगर बायपास स्थित आनंदम रिसोर्ट आयोजित फेयरवेल पार्टी में जोन-1 के एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा, तेजाजी नगर, गांधी नगर और मल्हारगंज एसीपी भी मौजूद रहे। जोन के सभी टीआई और सिपाही इस शानदार पार्टी के साक्षी

बने। डीसीपी मीणा को सोफे पर बैठाकर हार-फूल पहनाए गए और बुके देकर उनका स्वागत किया गया। पार्टी की भव्यता इतनी थी कि डीसीपी की एंट्री और विदाई के दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गई।

सभी थाना प्रभारियों ने मिलकर किया आयोजन: दावा किया जा रहा है कि यह आयोजन जोन-1 के तहत आने वाले सभी थाना प्रभारियों ने मिलकर किया था। इसमें डीसीपी विनोद मीणा को इंदौर से विदाई दी गई। जानकारी के मुताबिक खुफिया विभाग के सिपाही भी इसमें शामिल हुए थे।

अगले दिन प्रशासनिक रूप से अलग से विदाई: लग्जरी पार्टी का यह वीडियो सीनियर अधिकारियों तक भी पहुंचा है, लेकिन अब तक उनकी ओर से किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि इस पार्टी के अगले ही दिन पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह और अन्य अधिकारियों ने डीसीपी जोन-1 विनोद मीणा और डीसीपी ऋषिकेश मीणा को प्रशासनिक रूप से अलग से विदाई दी थी। दोनों अफसरों ने इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था।

मंदसौर हुआ है तबादला, उज्जैन में भी रह चुके: विनोद मीणा का तबादला हाल ही में मंदसौर किया गया है। इससे पहले वह उज्जैन में भी पदस्थ रह चुके हैं। इंदौर में यह उनकी दूसरी पोस्टिंग थी। प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में भी वह पहले भी इंदौर में रह चुके हैं।

हर काल और हर युग में रही है उज्जैन की गौरव गाथा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री ने उज्जैन में 79.27 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन
- 25 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से रीगल टॉकीज का होगा उन्नयन

भोपाल/उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश की सात पवित्र नगरियों में अवंतिका (उज्जैन) भी शामिल है। यहां राजा विक्रमादित्य, महाकवि कालिदास, सम्राट अशोक, चंद्र प्रद्योत के नाम अजर-अमर हो चुके हैं। हमारे पास राष्ट्र वीर दुर्गादास राठौर की ऐतिहासिक विरासत भी है। आज उनकी छत्री के जीर्णोद्धार के लिए भूमिपूजन किया गया है। हर काल और युग में उज्जैन की गौरवशाली गाथा रही है। हम एक नये दौर में प्रवेश कर रहे है। उज्जैन गोपाल मंदिर क्षेत्र स्थित रीगल टॉकीज का इतिहास बहुत गौरवशाली रहा है। यहां भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी निकलती है, सिंहस्थ के दौरान यहां से पेशवाई निकलती है और यह स्थान हरि और हर के मिलन का साक्षी भी होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को उज्जैन में गोपाल मंदिर छत्री चौक स्थित कार्यक्रम में 79.27 करोड़ रूपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 25.15 करोड़ रूपये की लागत से रीगल टॉकीज के विकास कार्य, आगामी सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत 22.30 करोड़ रूपये की लागत से गदा पुलिया से रविशंकर नगर, जयसिंह पुरा होते हुए लालपुल ब्रिज तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य और 31.83 करोड़ रूपये की लागत से गाड़ी अड्डा चौराहे से वी.डी क्लाथ मार्केट, निकास चौराहा, खजूर वाली मस्जिद, के.डी. गेट मार्ग वाया जूना सोमवारिया से बड़ी पुलिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। कार्यक्रम में रीगल टॉकीज के उन्नयन पर आधारित लघु फिल्प का प्रसारण भी किया गया। रीगल टॉकीज का निर्माण कार्य 36 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन शहर का हर काल में विशेष महत्व रहा है। आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए विकास के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। आज उज्जैन को कुल 107 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात मिली है। आगामी सिंहस्थ महापर्व में स्नान क्षिप्रा नदी के जल से ही होगा। सेवरखेडी - सिलारखेड़ी परियोजना से क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष जल रहेगा, क्षिप्रा सदैव प्रवहमान रहेगी। सिंहस्थ में सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही उज्जैन को नई 4 लेन सड़क की सौगात मिलने वाली है। साथ ही लगभग 10 हजार करोड़ की लागत से नई मेट्रो लाइन उज्जैन से इंदौर और पीथमपुर को कनेक्ट करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रम उद्योगपुरी में इंडस्ट्रियल सैट अप किया गया है और यहां से हम विश्व स्तरीय उत्पाद बनाकर विश्व के कई देशों को सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लखपति दीदी योजना ने बहनों का सशक्तिकरण किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी से प्रेरणा लेकर बहनों के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार ने लाड़ली बहना योजना शुरू की है, जिसमें बहनों को अभी 1250 रुपए की राशि दी जा रही है। जल्दी ही बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपए की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने माताओं-बहनों को स्थानीय निकाय चुनावों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। अब ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं। सरकार हर वर्ग के विकास के लिए कार्य कर रही है। अब प्रदेश में सरकारी और निजी मिलाकर कुल 32 मैडिकल कॉलेज हो जाएंगे। वर्ष 2002-03 के बाद मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से सुमन बाई के जीवन में आई खुशियां

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना का लाभ पाकर महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के साथ ही सशक्त भी हुई हैं। लाड़ली बहना योजना का लाभ पाकर महिलाओं के लिए जीवन में खुशियां आई हैं। यह कहना है सिलवानी तहसील के ग्राम अर्जनी निवासी श्रीमती सुमन बाई का। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए श्रीमती सुमन बाई कहती हैं कि योजना के तहत हर महीने 1250 रू की राशि मिलने से उन्हें बच्चों की जरूरतें पूरी करने और छोटे-छोटे खर्चों में बहुत मदद हो जाती है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि में से कुछ राशि हम बचा लेते हैं, जो हमारे आड़े वक्त में काम आएगा।

भोपाल में 4 हजार जगह विराजे प्रथम पूज्य

इस बार 250 बड़ी झांकियां होंगी, निगम पूजन सामग्री इकट्ठा करेगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में करीब 4 हजार जगहों पर प्रथम पूज्य श्रीगणेशजी की देर रात तक स्थापना हो रही थी। इनमें से करीब ढाई सौ बड़ी झांकियां होंगी। वहीं, घरों में भी गणेशजी की मूर्ति की स्थापना की गई। बुधवार को भक्त प्रथम पूज्य को ढोल-ढमाकों के साथ लेकर घर और बड़ीं झाकियों में गजानन जी का आगमन हो रहा था। बड़े पंडालों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। वहीं, नगर निगम हर झांकी से रोजाना निर्माल्य यानी, पूजन सामग्री इकट्ठा करेगा। इसके लिए वाहनों की व्यवस्था भी की गई है।

बाजार में कई प्रकार के मोदक

गणेशोत्सव शुरू होते ही बाजार में मोदक की कई वैरायटियां नजर आने लगी हैं। न्यू मार्केट के मिठाई कारोबारी संजीव अग्रवाल का कहना है, इस साल मोदक की नई वैरायटियां में कोकोनट, चॉकलेट व केसर मोदक शामिल है। इनके भाव 550 से लेकर 800 रुपए किलो तक है।

पीपल चौक में 351 किलो लड्डुओं का भोग लगेगा

पीपल चौक की झांकी में 351 किलो लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। पुराना शहर के मिठाई व्यवसायी मोहन शर्मा ने बताया, बड़े पंडालों में रोज 10 किलो तक लड्डू चढ़ते हैं। वहीं 1500 झांकियों में औसतन एक-एक किलो के मान से भी रोज दो क्विंटल लड्डुओं का भोग लगेगा।

200 से ज्यादा जगहों पर बाजार लगे थे

इससे पहले मंगलवार को शहर में 200 से अधिक स्थानों पर बाजार लगे थे। जहां से भक्त मूर्तियां अपने घर लेकर पहुंचे थे। बुधवार को भी बाजारों में भीड़ थी। मूर्तियों के साथ लड्डू, फल, हार-फूल, नारियल की बिक्री भी बढ़ गई हैं। न्यू मार्केट, चौक, जुमेराती, करोंद, कोलार रोड, अटल पथ, रोशनपुरा, 10 नंबर मार्केट, नेहरू नगर, जवाहर चौक में सजी दुकानों पर गणपति बप्पा की मूर्तियों को खरीदने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु नजर आ रहे थे। अबकी बार अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा के आसन रूप में भी गणेशजी की मूर्ति भी बनाई गई है। राम दरबार के रूप में भी मूर्ति बाजार में मौजूद है।

ट्रेन में तकनीकी खराबी, 12 घंटे परेशान रहे यात्री

- क्षिप्रा एक्सप्रेस के 4 कोच में एसी बंद, जूझते रहे लोग; सवा घंटे सतना स्टेशन पर खड़ी रही

सतना (नप्र)। इंदौर से हावड़ा जा रही क्षिप्रा एक्सप्रेस (22911) में बुधवार को यात्रियों ने बड़ा हंगामा किया। उज्जैन से निकलने के बाद बी-1 से बी-4 तक के चार एसी कोचों में तकनीकी खराबी आ गई थी। लगातार 12 घंटे तक समस्या बनी रही। स्टाफ को शिकायतें देने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। हालत बिगड़ने पर दोपहर 12:50 बजे जैसे ही ट्रेन सतना स्टेशन पर रुकी, यात्रियों ने विरोध शुरू कर दिया। इसके चलते ट्रेन करीब सवा घंटे प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर खड़ी रही।

तकनीशियन दुरुस्त नहीं कर पाए खराबी: यात्रियों ने पहले ही उज्जैन से शिकायत दर्ज कराई थी। रास्ते में कई स्टेशनों पर टेक्निकल स्टाफ ने समस्या देखी, लेकिन सुधार नहीं कर पाए। टीटीई ने यात्रियों को भरोसा दिलाया कि अगले स्टेशन पर समस्या हल होगी, लेकिन एसी कोच की दिक्कत जस की तस बनी रही।सवा घंटे तक ट्रेन सतना स्टेशन पर खड़ी रही। जीआरपी और आरपीएफ स्टाफ ने स्टेशन मास्टर को खबर दी।

गर्मी से परेशान हुए यात्री: हावड़ा जाने वाले यात्री आर. एन. सिंह ने बताया कि गर्मी के कारण बच्चों समेत सभी लोगों की हालत खराब हो गई थी। हर स्टेशन पर लोग एसी की मरम्मत की उम्मीद करते रहे, लेकिन कोई हल नहीं निकला। परेशान होकर सतना पहुंचने पर यात्रियों को हंगामा करना पड़ा।

जीआरपी-आरपीएफ और अधिकारी पहुंचे मौके पर : सतना में हुए हंगामे की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्टेशन मास्टर मौके पर पहुंचे। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों को समझाया। उज्जैन से सतना तक का सफर 12 घंटे में पूरा हुआ। विरोध के चलते ट्रेन स्टेशन पर सवा घंटे से ज्यादा खड़ी रही।

कुत्ते के लिए आरआई ने कॉन्स्टेबल को बेल्ट से पीटा

- खरगोन में रात डेढ़ बजे घर बुलाया, गालियां दीं; नौकरी से निकलवाने की धमकी दी

खरगोन (नप्र)। खरगोन में पालतू डॉग के गुम होने से नाराज रिजर्व इंस्पेक्टर (आरआई) ने कॉन्स्टेबल की पिटाई कर दी। कॉन्स्टेबल का आरोप है कि आरआई और उनकी पत्नी ने जातिसूचक अपशब्द कहे और बेल्ट से पीटा। मामला 23 अगस्त का है। सोशल मीडिया पर चोटें दिखाने का वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित कॉन्स्टेबल राहुल चौहान ने बुधवार को अजाक (अनुसूचित जाति/जनजाति) थाने में लिखित शिकायत दी है। इस वीडियो में वह अपने हाथ, पैर, कमर और पीठ पर पड़े नीले निशान दिखा रहा है। एसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। 23 अगस्त की रात करीब 10 बजे गुमा डॉग 20 घंटे बाद अगले दिन शाम को घर के पास ही मिल गया।

देर रात डेढ़ बजे सरकारी आवास पर बुलाया: कॉन्स्टेबल राहुल चौहान ने बताया कि उसकी ड्यूटी आरआई सौरभ कुशवाहा के सरकारी आवास पर लगी थी। 23 अगस्त की रात 10 बजे आरआई कुशवाहा ड्यूटी पूरी कर घर लौटे तो राहुल अपने क्वार्टर पर आ गया। देर रात करीब 1:30 बजे आरआई ने उसे फोन कर तुरंत आने को कहा। राहुल पहुंचा तो आरआई ने अपने पालतू कुत्ते के गायब होने पर नाराजगी जताई। फिर उसकी पिटाई कर दी। राहुल ने अजाक थाने में लिखित शिकायत दी है। इसके मुताबिक, मारपीट के दौरान आरआई की पत्नी भी मौजूद थीं। उन्होंने चप्पल से मारने के साथ नौकरी से निकलवाने की धमकी भी दी।

13 शासकीय नर्सिंग कॉलेज में नियम अनुसार फैकल्टी नहीं

कांग्रेस ने लगाए आरोप-छात्र दोगुनी फीस भरने पर मजबूर, नायक बोले- सरकार तत्काल ठोस कदम उठाए

भोपाल (नप्र)। नर्सिंग शिक्षा में हो रहे फर्जीवाड़े और शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में फैकल्टी की कमी से हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। कांग्रेस ने बुधवार को संयुक्त पत्रकारवार्ता आयोजित कर प्रदेश की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पत्रकारवार्ता को कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक, कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार और एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने संबोधित किया। कांग्रेस मीडिया विभाग अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक ने कहा कि यह शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ गंभीर मामला है। यदि सरकार चाहती है कि छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनी रहे तो उसे तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। वर्तमान स्थिति प्रदेश के लिए चिंताजनक है।

महाविद्यालयों में दोगुनी-तिगुनी फीस चुकाने पर मजबूर: कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को माफिया संचालित कर रहे हैं और सरकार की मौन स्वीकृति से छात्रों को निजी महाविद्यालयों में दोगुनी-तिगुनी फीस चुकाने पर मजबूर किया जा रहा है। शासकीय कालेजों की उपेक्षा कर भाजपा सरकार कमीशन के लालच में निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। नर्सिंग कॉलेज घोटाले की दो बार सीबीआई जांच हो चुकी है, लेकिन गड़बड़ियां जस की तस बनी हैं।

नर्सिंग कॉलेजों में नियमानुसार प्राचार्य तक नहीं: एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश के 13 शासकीय नर्सिंग कॉलेज ऐसे हैं। इनमें नियमानुसार प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं हैं। हैरानी की बात है कि 3 कॉलेजों में तो सिर्फ 1-1 फैकल्टी के भरोसे पूरी व्यवस्था है। हम दावे के साथ कह रहे हैं कि 2025-26 सत्र में इन 13 नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता नहीं मिलेगी।

यह तथ्य भी बताए

13 नर्सिंग कॉलेज में से 04 नर्सिंग कॉलेज ऐसे हैं जिनमें सीबीआई ने कमियां पाई थी।

इन्हें डिफिशिएंसी कैटेगरी में रखा था, लेकिन हाईकोर्ट द्वारा सूटेबल कर दिया गया।

कांग्रेस की यह प्रमुख मांगें

1. नर्सिंग कॉलेजों में संदिग्ध नियुक्तियों और फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए।
2. जिन शासकीय कॉलेजों में फैकल्टी की भारी कमी है, वहां तत्काल नियम अनुसार स्टाफ की नियुक्ति की जाए।
3. हाईकोर्ट द्वारा गठित जुलानिया समिति की रिपोर्ट की फोरेंसिक जांच कर वास्तविक कमियों को सार्वजनिक किया जाए।
4. दोषी प्राचार्य, फैकल्टी और अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्यवाही की जाए।
5. छात्रों को शैक्षणिक नुकसान से बचाने के लिए ऑप्शनल व्यवस्था और अस्थायी समाधान तत्काल लागू किए जाएं।

सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में नियम विरुद्ध पदोन्नत करने के आरोप: शासकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग (जीएमसी) में प्राचार्य से लेकर प्रोफेसर पद पर नियम विरुद्ध पदोन्नत किया गया।

भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में आउटसोर्स एजेंसी पर निर्भरता।

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान में प्राचार्य ही नहीं हैं। अन्य की नियुक्तियां मानकों के विरुद्ध हुई।

इंदिरा गांधी ट्राइबल यूनिवर्सिटी अनूपपुर और शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद मेडिकल उज्जैन में सिर्फ एक-एक फैकल्टी है। जबलपुर के ऑटोनोमस आयुर्वेद नर्सिंग कॉलेज में केवल 2 फैकल्टी है। इसी तरह अन्य कॉलेजों की स्थिति है।

छापेमारी में लैपटॉप, मोबाइल की जांच कर सकेंगे आयकर अधिकारी

- आईसीएआई चीफ बोले- नए एक्ट से कर चोरी पर लगेगी लगाम; भारत के सीए देंगे ग्लोबल सर्विस

भोपाल (नप्र)। हम सर्विस का ग्लोबल हब बन रहे हैं। नया टैक्स एक्ट भाषा और प्रक्रिया दोनों को सरल करेगा। 26AS से पारदर्शिता बढ़ेगी और डिजिटल जांच से चोरी पर लगाम लगेगी।

यह कहना है इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के प्रेसिडेंट चरणजोत सिंह नंदा का। भोपाल में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'नव दृष्टि' के दौरान उन्होंने दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। जिसमें टैक्स सुधारों से लेकर भारत की ग्लोबल पोजिशन तक कई अहम मुद्दों पर बात की। आईसीएआई चीफ ने कहा न्यू इनकम टैक्स एक्ट 2025 में कई बड़े प्रावधान किए गए हैं। यह एक्ट अप्रैल 2026 से लागू होगा। इस एक्ट में ऐसे प्रावधान किए गए हैं। जिससे कहीं भी कर चोरी की शिकायतों पर जांच करने पहुंची इनकम टैक्स की टीम को लैपटॉप, मोबाइल, पेनड्राइव, हार्ड डिस्क यहां तक कि स्मार्टवॉच जैसी डिजिटल डिवाइस की जांच कर सकेंगे।

हर व्यक्ति एक फाइनेंशियल कंसल्टेंट जरूर रखें

नंदा ने आम नागरिकों को सलाह देते हुए कहा कि पहले अपनी आय के स्रोत लिखें और उसके बाद उसमें खर्च चलाने के लिए जरूरी योग्य हिस्से का हिसाब तय करें। इसमें ऐसी कोआर्डिनेशन बनाए कि एक राशि आपके पास ऐसी हो जिसे लो-रिस्क इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकें। हाई रिटर्न के लालच में न आएं, बल्कि कंपाउंडिंग को समय दें। यह एक ऐसा फॉर्मूला है, जिसने एक आम व्यक्ति को भी फाइनेंशियली स्ट्रॉन्ग व्यक्ति बनाया है। गोल्ड, रियल एस्टेट और पॉलिसीज के बारे में पढ़ें-समझें। इससे सही निवेश की दिशा मिलेगी।

बिहार से भागी सहेलियों को खंडवा में ट्रेन से उतारा

- प्रेमियों संग शादी करके मुंबई में बसने का था प्लान, पुलिस ने मोबाइल से ट्रेस किया

खंडवा (नप्र)। परिजन की टोकाटाकी से परेशान बिहार की दो नाबालिग सहेलियों ने मुंबई में बसने का प्लान बना लिया। प्रेमियों से बात की तो उन्होंने साथ देने की हामी भर दी। बोले कि पहले तुम जाओ, फिर हम आते हैं। प्रेमियों ने लड़कियों को मुंबई की ट्रेन में बैठा दिया। लड़कियों के भागने की बात परिजन को पता लगी तो पुलिस के पास पहुंचे। मोबाइल लोकेशन सर्चिंग की गई। इसके आधार पर खंडवा रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने उन्हें स्टेशन पर उतार लिया और सरकारी खानापूर्ति के बाद परिजन को सौंप दिया। लड़कियां बिहार के नालंदा जिले की रहने वाली हैं। एक ही स्कूल में दसवीं क्लास में पढ़ती हैं। खंडवा बाल कल्याण समिति ने काउंसलिंग की तो पता चला कि एक छात्रा अपने दादा-दादी तो दूसरी अपने माता-पिता और भाई से परेशान थी। एक के पिता दिल्ली में मिट्टी के बर्तन बनाते हैं तो दूसरी के पिता अहमदाबाद की फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं।

प्रेमियों से बात करने पर टोकते थे परिजन: बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने बताया कि 15 और 16 साल की सहेलियां नालंदा के एक गांव में आसपास ही रहती हैं। दोनों के नाबालिग प्रेमी भी उसी मोहल्ले में रहते हैं। वे अधिकतर समय अपने प्रेमियों से फोन पर बात करती रहती थीं। परिजन उन्हें टोकते थे।

नरसिंहपुर में नदी में बहा युवक

लोगों के रोकने के बावजूद पुलिया पार कर रहा था, प्रदेश में आज से तेज बारिश का दौर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के किसी भी शहर में बुधवार को बारिश के समाचार नहीं थे। 28 अगस्त से नया सिस्टम एक्टिव होगा। इसके बाद राज्य के दक्षिणी हिस्से में एक बार फिर तेज बारिश शुरू होगी। नरसिंहपुर में बुधवार सुबह किसानी वार्ड निवासी 45 वर्षीय गुड्डू जाट उर्फ अंबानी, सिंगरी नदी के तेज बहाव में बह गया। वह लोगों के रोकने के बावजूद पुलिया पार करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस, होमगार्ड और एसडीईआरएफ की टीमें उसकी तलाश कर रही हैं। इससे पहले मंगलवार को रतलाम में तेज बारिश की वजह से चौराहों पर पानी भर गया। मंदसौर में शिवना नदी उफान पर आ गई। जबलपुर के बरगी डैम के 9 और नर्मदापुरम के तवा बांध के 3 गेट खोलकर पानी छोड़ा गया।

ग्वालियर, चंबल-सागर सबसे बेहतर

एमपी में जब से मानसून एंटर हुआ, तब से पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में तेज बारिश हुई है। यहां बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहे। छतरपुर, मंडला, टीकमगढ़, उमरिया समेत कई जिलों में बाढ़ आ गई। इसके अलावा ग्वालियर-चंबल में भी मानसून जमकर बरसा है। यहां के 8 जिलों में से 7 में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, भिंड, मुरैना और श्योपुर शामिल हैं। दतिया में भी 96 प्रतिशत से अधिक बारिश हो चुकी है।

गुना में 2 इंच से ज्यादा पानी गिरा

मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान 17 से अधिक जिलों में बारिश का दौर रहा। गुना में सबसे ज्यादा 2 इंच पानी गिर गया। बालाघाट के मलाजखंड में 1.6 इंच, रतलाम में 1 इंच बारिश हुई। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, सीहोर, रतलाम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, शिवपुरी, उमरिया, दमोह, खंडवा, छतरपुर, नर्मदापुरम, सिवनी में भी हल्की बारिश दर्ज की गई।

लो प्रेशर एरिया की दिखेगी एक्टिविटी: सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश के ऊपर से एक मानसून ट्रफ गुजर रही है। इस वजह से मंगलवार को कई जिलों में हल्की बारिश का दौर बना रहा। बुधवार को ट्रफ प्रदेश से दूर रहेगी, जिससे तेज बारिश नहीं होगी, लेकिन 28 अगस्त से सिस्टम स्ट्रॉन्ग हो सकता है।

एमपी में अब तक 35.6 इंच बारिश: प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 35.6 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 29 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 6.6 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। इस हिसाब से कोटे की 96 प्रतिशत तक बारिश हो चुकी है। 1.4 इंच बारिश होते ही इस बार भी बारिश का कोटा फुल हो जाएगा।

बीमा कंपनियों और अस्पतालों में खींचतान, केशलैस इलाज पर संकट

कॉमन एग्रीमेंट पर उठे सवाल; छोटे-बड़े अस्पतालों में फर्क के बावजूद एक जैसी फीस क्यों?

भोपाल (नप्र)। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदकर केशलैस इलाज की उम्मीद लगाए बैठे लाखों लोगों के लिए बड़ा झटका सामने आया है। भोपाल समेत प्रदेशभर के निजी अस्पतालों ने घोषणा की है कि वे फेडरेशन ऑफ प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स (राष्ट्रीय संघठन) के विरोध में साथ देंगे। इसके तहत 1 सितंबर से केशलैस इलाज बंद कर देंगे। हालांकि, आयुष्मान भारत योजना से मिलने वाला इलाज पहले की तरह जारी रहेगा। इस टकराव की जड़ इंश्योरेंस कंपनियों का नया कॉमन इम्पेनलमेंट एग्रीमेंट है। इसमें छोटे-बड़े सभी अस्पतालों को एक जैसी सर्जरी के लिए समान भुगतान तय किया गया है। नर्सिंग होम एसोसिएशन के मप्र चैप्टर अध्यक्ष डॉ. रणधीर सिंह का कहना है कि यह ढांचा न तो व्यावहारिक है और न ही न्यायसंगत। उन्होंने सवाल उठाया कि छोटे और बड़े अस्पतालों में सुविधाएं अलग तो रेट एक जैसे कैसे हो सकते हैं। बीमा कंपनियों का तर्क है कि इस कदम से मरीजों के लिए नेटवर्क बढ़ेगा और छोटे अस्पतालों को भी केशलैस इलाज की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

अस्पताल का पक्ष नहीं लिया गया

निजी अस्पतालों का कहना है कि इस एग्रीमेंट को तैयार करते समय उनकी राय नहीं ली गई। फेडरेशन ऑफ प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स ने पैकेज रेट्स, भुगतान शर्तों और ऑपरेशन नियमों को अव्यवहारिक बताया है। डॉ. सिंह ने कहा कि बढ़ती मेडिकल लागत के बावजूद कई सालों से इलाज की दरों में कोई संशोधन नहीं हुआ, जिससे इलाज की गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा है। इसके बाद यह नए नियम इसे व्यवस्था को प्रभावित करने का काम कर रहे हैं। दरअसल, बड़े कॉरपोरेट अस्पताल जहां इस समझौते को घाटे का सौदा मान रहे हैं, वहीं छोटे अस्पताल इसे अपने लिए फायदेमंद मानते हैं। कॉमन इम्पेनलमेंट से उन्हें बीमा कंपनियों तक सीधी पहुंच और अधिक मरीज मिल सकेंगे।

कॉमन पैनल से प्रक्रियाएं आसान होंगी

इंश्योरेंस कंपनियां कहती हैं कि कॉमन पैनल से प्रक्रियाएं आसान होंगी। हर बीमा कंपनी से अलग-अलग एग्रीमेंट करने की जगह एक ही एग्रीमेंट से सभी कंपनियों से जुड़ाव हो जाएगा। इससे मरीजों को बिना अग्रिम भुगतान के इलाज कराने की सुविधा मिलेगी और उनके लिए विकल्प भी बढ़ेंगे।